राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00
संख्या 220
आया चुंबा
सुपर कमांडो ध्रुव
by अनुपम

संजय गुप्ता पेश करते हैं

आया चुंबा

कथा: जॉली सिन्हा। चित्र: अनुपम सिन्हा। इंकिंग: विनोद कुमार सुलेख एवं रंग: सुनील पाण्डेय: सम्पादक: मनीष गुप्ता।
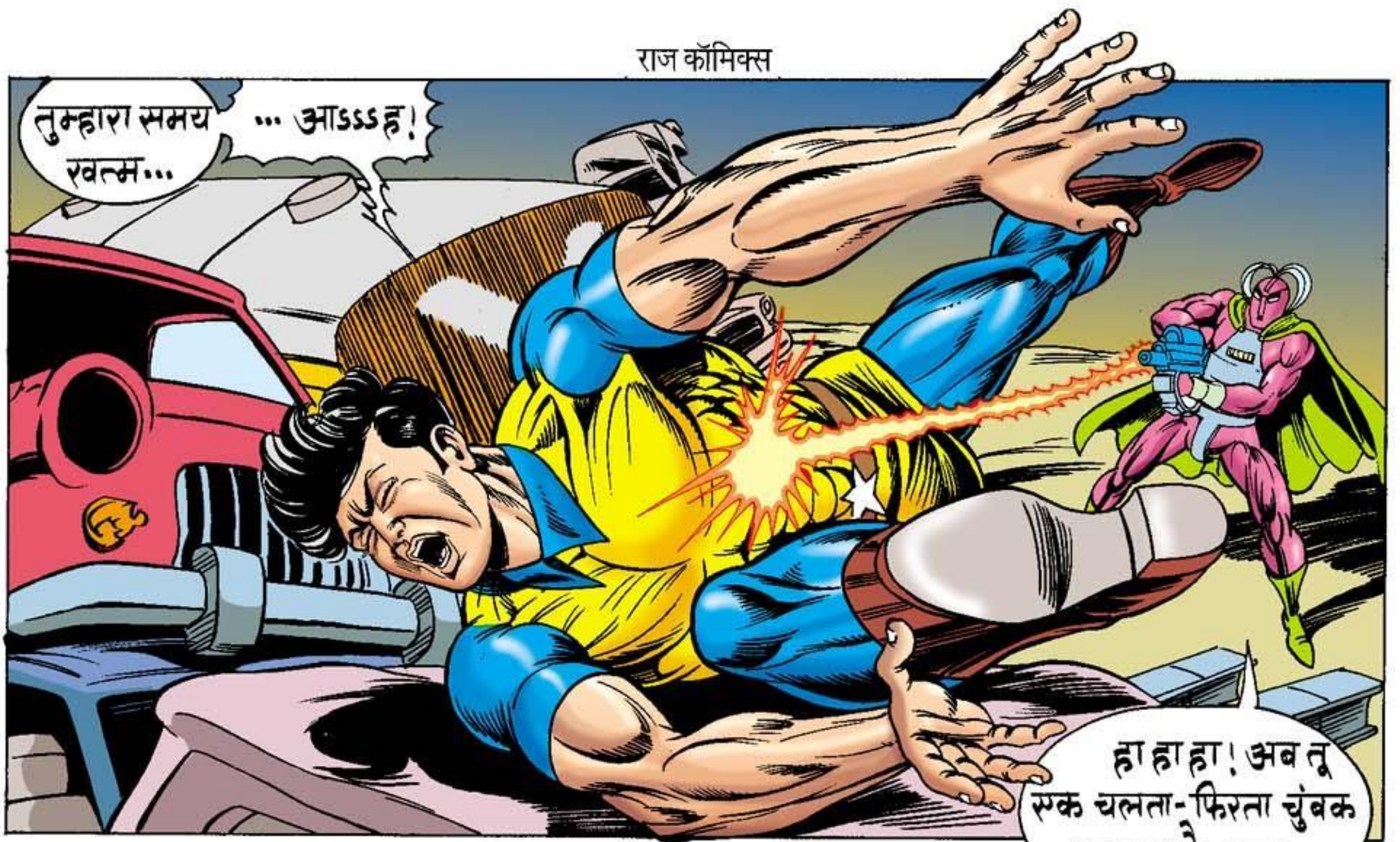
तुम्हारा समय खत्म...
... आऽऽऽह!
हा हा हा! अब तू एक चलता-फिरता चुंबक बन गया है ध्रुव!
कुछ ही पलों में तेरा पूरा शरीर इस कबाड़ के नीचे दबा होगा! क्योंकि तेरे शरीर का चुंबकत्व इनको अपनी तरफ खींचेगा!
तेरे शरीर में भी तो काफी लोहा है, चुंबा!
पहले मैं तेरी तरफ ही खिंच जाता हूं!

अरे! अरे! यह तो मेरी तरफ ही आ रहा है!
इसके साथ-साथ सारा कबाड़ भी मुझ पर आ गिरेगा!
इसका चुंबकत्व खत्म करना होगा!

अब बोल तू क्या करेगा चुंबा?

चुंबा के बारे में जानने के लिए पढ़ें : **चुंबा का चक्रव्यूह**

पाप, दंड से नहीं डरता! सजा दोगे तो पाप और बढ़ेगा! लेकिन पाप के रास्ते पर चलता रहेगा, तो सम्राट बन जाएगा तू! तेरे पास तो शक्ति है। फिर क्यों डरता है तू?

मैं दिखाऊंगा तुझे राह! दुनिया पर राज करने की राह! चलेगा उस राह पर?

चलूंगा! लेकिन इसके बदले में तुम क्या चाहते हो?

भक्ति! तेरे जैसे पापियों की भक्ति! जो भगवान तुझे नहीं दे पाया, वह मैं दूंगा तुझको!

लगभग एक महीने बाद राजनगर की सीमा पर-
हुम! इसमें अश्वगंधा और कुछ पंचाष्ठ मिलाना पड़ेगा! मैं कांच से हीरा बनाकर ही रहूंगा!
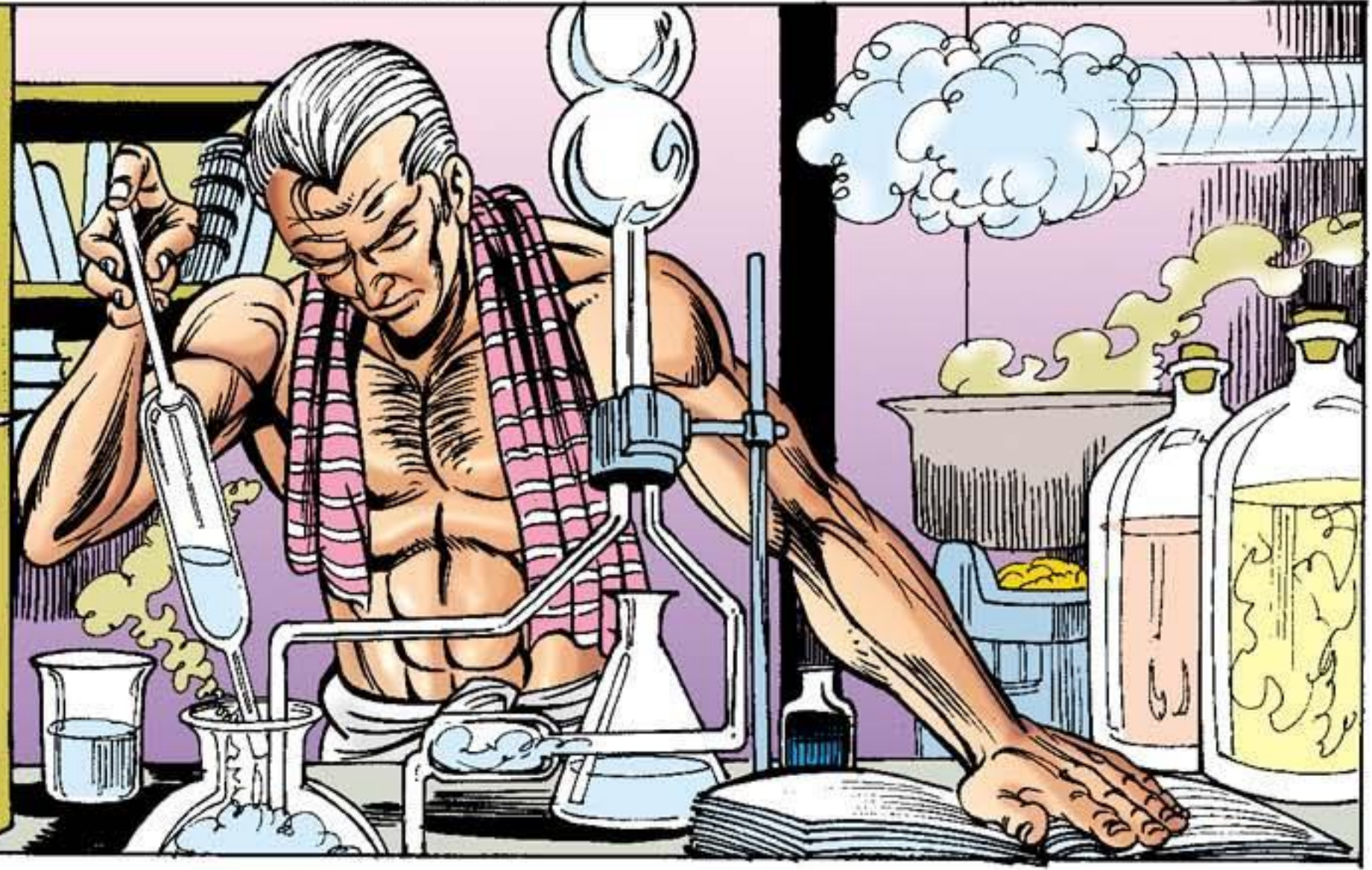
अरे! अरे! यह क्या? कमरे में पानी कैसे बरसने लगा? क्या छत चू रही है? नहीं!
ये तो कृत्रिम मेघ है!
हा हा हा!

ठहर तो शैतान! मैंने तुझको प्राचीन रसायन ज्ञान सिखाकर बड़ी गलती की! लेकिन मुझे भी क्या पता था कि तू सीखकर मेरे ही कान काटेगी!
सॉरी, सॉरी नानाजी!
अब नहीं करूंगी!

नहीं करेगी तो मारूंगा! अरे, यही देखकर तो पता चलता है कि मेरी श्यामली कितनी... वो क्या कहते हैं... इंटेलीजेंट है!
तू ही तो एक दिन दुनिया को यह बताएगी कि हमारा प्राचीन भारतीय रसायन ज्ञान पश्चिमी ज्ञान से कहीं श्रेष्ठ और विकसित है!
आप क्या पढ़ रहे थे नानाजी? यह वाली किताब तो मैंने पहले कभी नहीं देखी!

इस ग्रंथ को मैंने आज ही निकाला है! इसमें ऐसे-ऐसे मिश्रण बनाने की विधियां हैं, जिनके बारे में पश्चिमी वैज्ञानिक सोच भी नहीं सकते हैं। इस ग्रंथ को बहुत सावधानी से रखने की जरूरत है। क्योंकि अगर यह गलत हाथों में पड़ गया तो इससे पूरी दुनिया को खतरा हो सकता है!
इसीलिए तो यह ग्रंथ मुझे चाहिए!
ओह! यानी खबर पहले ही फैल चुकी है!
खैर, तुम जो भी हो, अंदर नहीं आ सकते! इस घर की दीवारें बहुत मजबूत हैं!
हर मजबूत दीवार में लोहा जरूर होता है!
और लोहा, चुंबक सम्राट चुंबा के सेवक रडारा के इशारों पर नाचता है!
ओह! दीवार में लगा सरिया अपने आप निकल गया और दीवार टूटने लगी!
इस ग्रंथ में एक ही ऐसा खतरनाक मिश्रण है, जिसको ऐसा खतरनाक इंसान चाहेगा! मैं इस ग्रंथ में से उस मिश्रण की विधि ही...

...फाड़ लेता हूं!
अब इसको नष्ट कर दूं! नहीं! फिर ये मिश्रण हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा!
इतनी दुर्लभ वस्तु को नष्ट करना उचित नहीं है!
श्यामली! मैं इसको रोकता हूं! तू इस पेज को लेकर जा, और मदद लेकर आ!
लेकिन, नानाजी...
जाओ!
ओह! यहां पर मदद कहां से आएगी? और आ भी गई तो ऐसा कौन है जो रडारा जैसे खतरनाक प्राणी से निपट पाएगा!
पर कोई तो होगा-
जरूर होगा-
चिंची चीईंइं चींचच

क्योंकि तू यहां से बाहर ही नहीं जा पाएगा!

ओऽऽऽह! आग! आग मुझे ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचाती है नाना-जी!

ये मामूली आग नहीं, रासायनिक आग है!

इसका तापमान आम अग्नियों से कई गुना ज्यादा है! इसमें पैर रखते ही तेरा कवच गलकर पानी बन जाएगा!

तो फिर मुझे उसी रास्ते से जाना पड़ेगा, जिस रास्ते से मैं आया था!

इसका मौका भी तुझे नहीं मिलेगा रडारा!

इस बूटी को रासायनिक आग में डालने से जो धुएं का मिश्रण उठेगा, वह तेरे लौह कवच को नष्ट कर देगा!

और किरणों के इशारों पर मुड़ता हुआ सरिया, वृद्ध के शरीर को कसता चला गया
हा हा हा! अब तू यहीं पर जलकर मरने का इंतजार कर! मैं तो चला तेरी नातिन के पीछे!
ओफ! श्यामली अभी ज्यादा दूर नहीं जा पाई होगी! रडारा उसको पकड़ लेगा!
एक अकेली लड़की भला ऐसे शक्तिशाली से कैसे निपटेगी?

और ये काम करेगा मेरा स्मोक बम!
अब या तो ये रुकेगा, या कहीं टकराकर अपनी हड्डी-पसली तुड़वास्गा!
तुम उतर जाओ श्यामली! अब मैं इससे निपटूंगा!
ध्रुव का अंदाज बहुत कम गलत होता था-
लेकिन कभी-कभी हो भी जाता था-
आऽऽऽह! इसने तो धुएं में भी रास्ता ढूंढ़ लिया!
रडारा की स्क्सरे रडार तरंगें, अंधेरे में मक्खी तक को पकड़ सकती हैं!
मेरा नाम रडारा यूं ही नहीं रखा गया है, बच्चे!
ध्रुव का दिमाग कुछ पलों के लिए अंधेरे में डूब गया-

और रडारा, श्यामली की तरफ लपक पड़ा-
ओफ! अब क्या करूं? इस कागज को छुपाना बहुत जरूरी है!

और वह भी ऐसी जगह पर जहां रडारा कागज को ढूंढ़ ही न पाए!
ओहो! ये जगह बहुत बढ़िया है!
गोदाम
राज पेपर्स एंड प्रिंटर्स

इन कागजों के ढेर में से रडारा एक खास कागज को कभी ढूंढ़ नहीं पाएगा!
ए लड़की! तू अंदर कैसे घुस आई? और कागजों में क्या छुपा रही है?

कर्मचारियों को जवाब सुनने का वक्त ही नहीं मिला-
कुछ गड़बड़ है! यहां से भागो!
तू समझती है कि मैं वह पेज ढूंढ़ नहीं पाऊंगा। मैं उसे ढूंढूंगा भी नहीं। तू खुद बताएगी कि वह पेज कहां है!
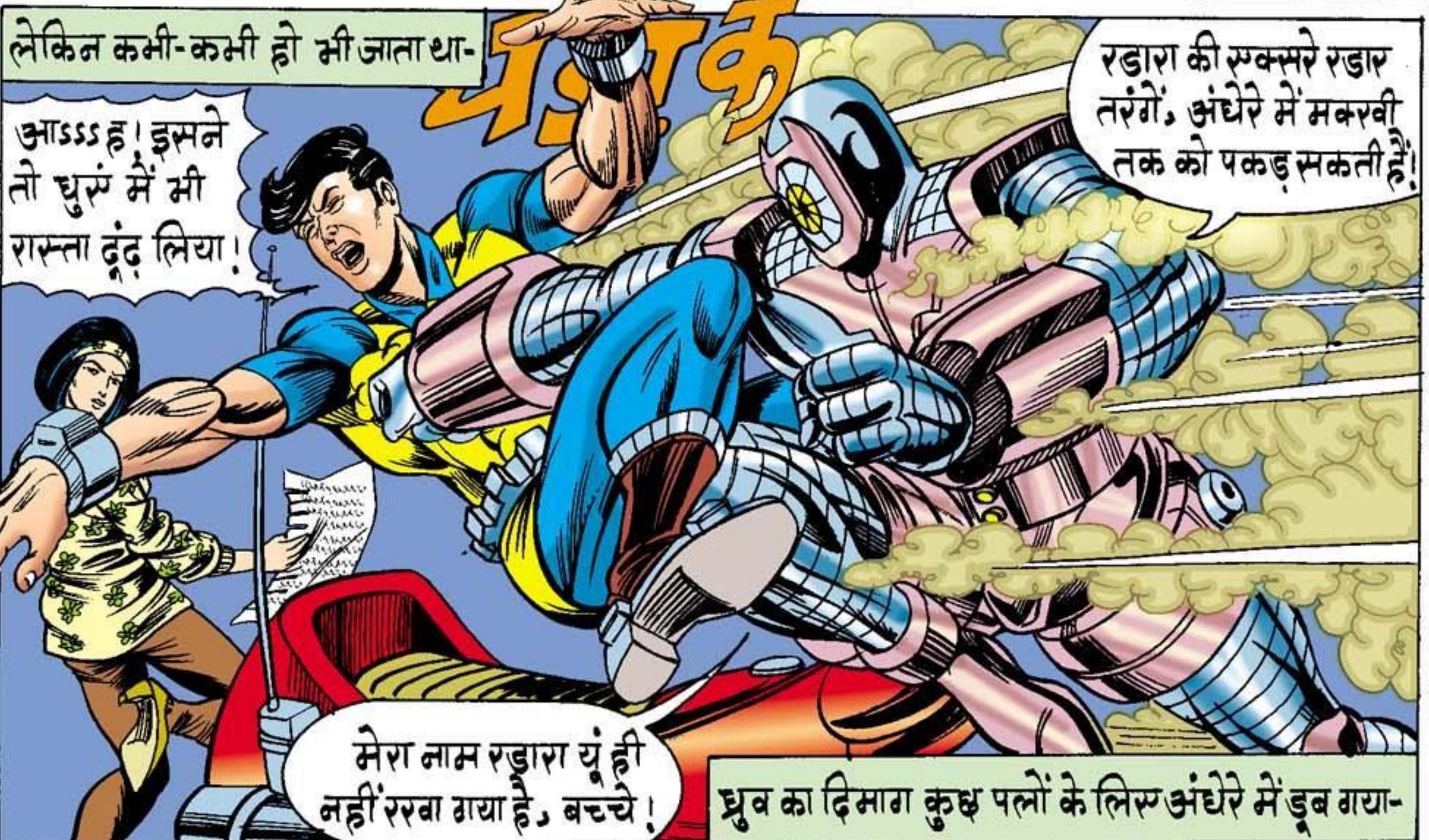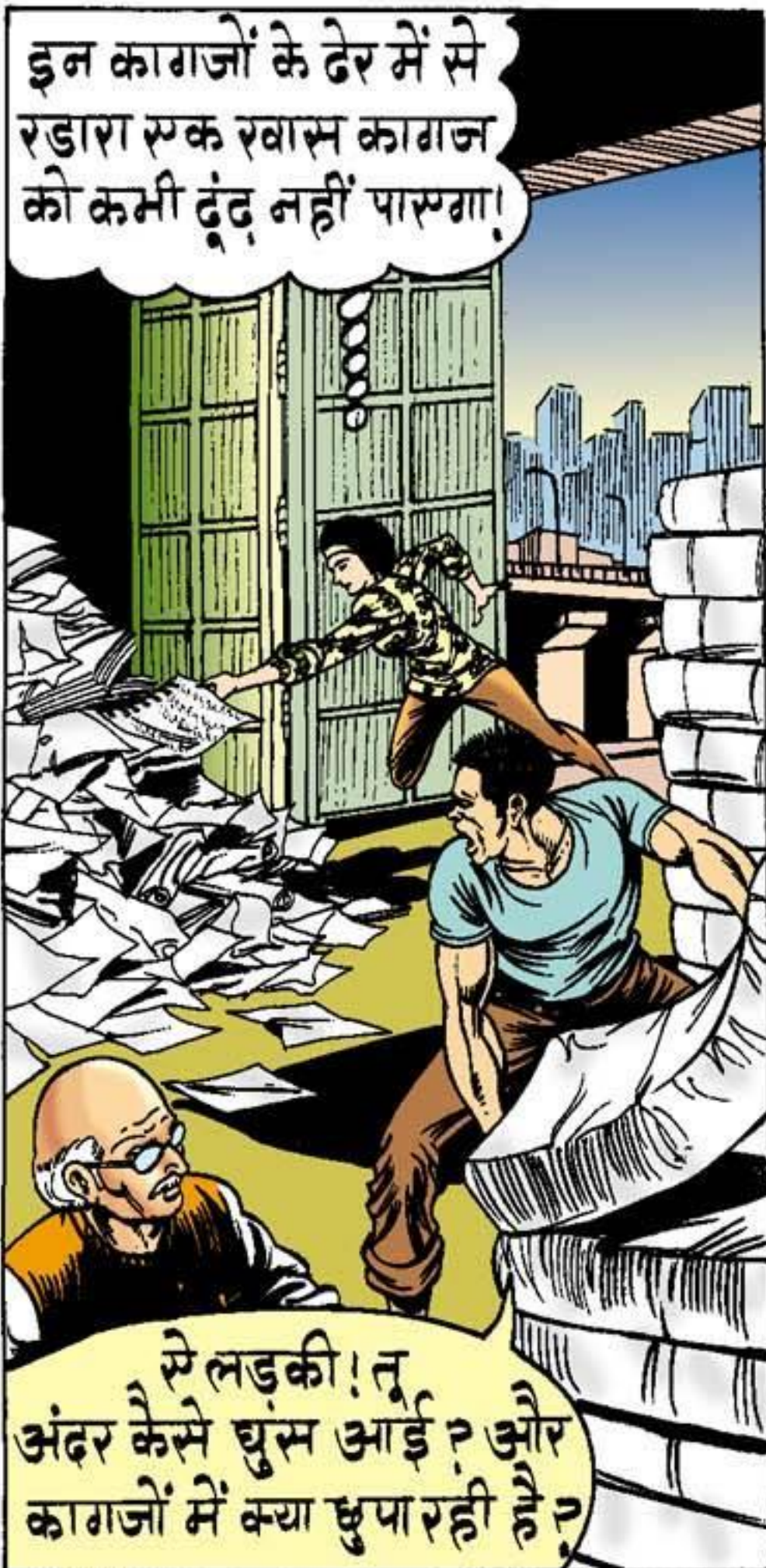
यकीन नहीं आता तो देख लो!
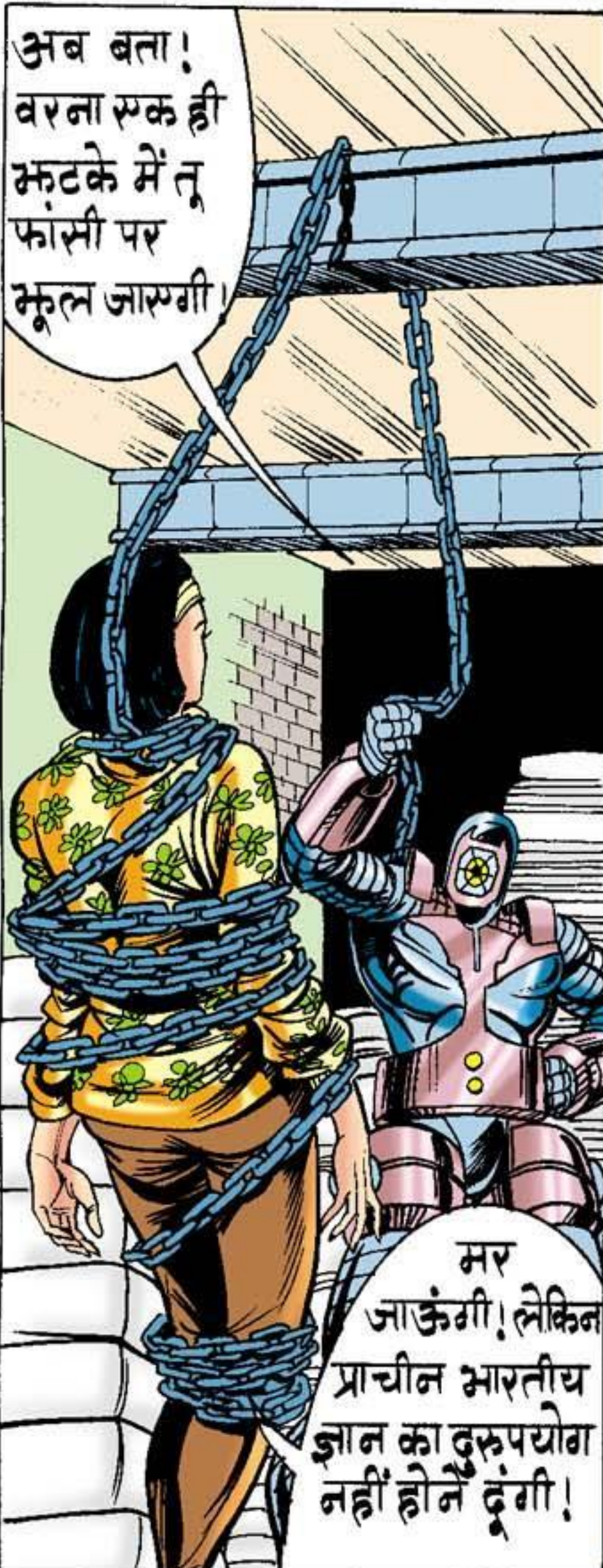
अब बता! वरना एक ही झटके में तू फांसी पर झूल जाएगी।

मर जाऊंगी! लेकिन प्राचीन भारतीय ज्ञान का दुरुपयोग नहीं होने दूंगी!

तो मर! कागज मैं अपने-आप ढूंढ़ लूंगा।

आऽऽऽह! आऽऽऽह!
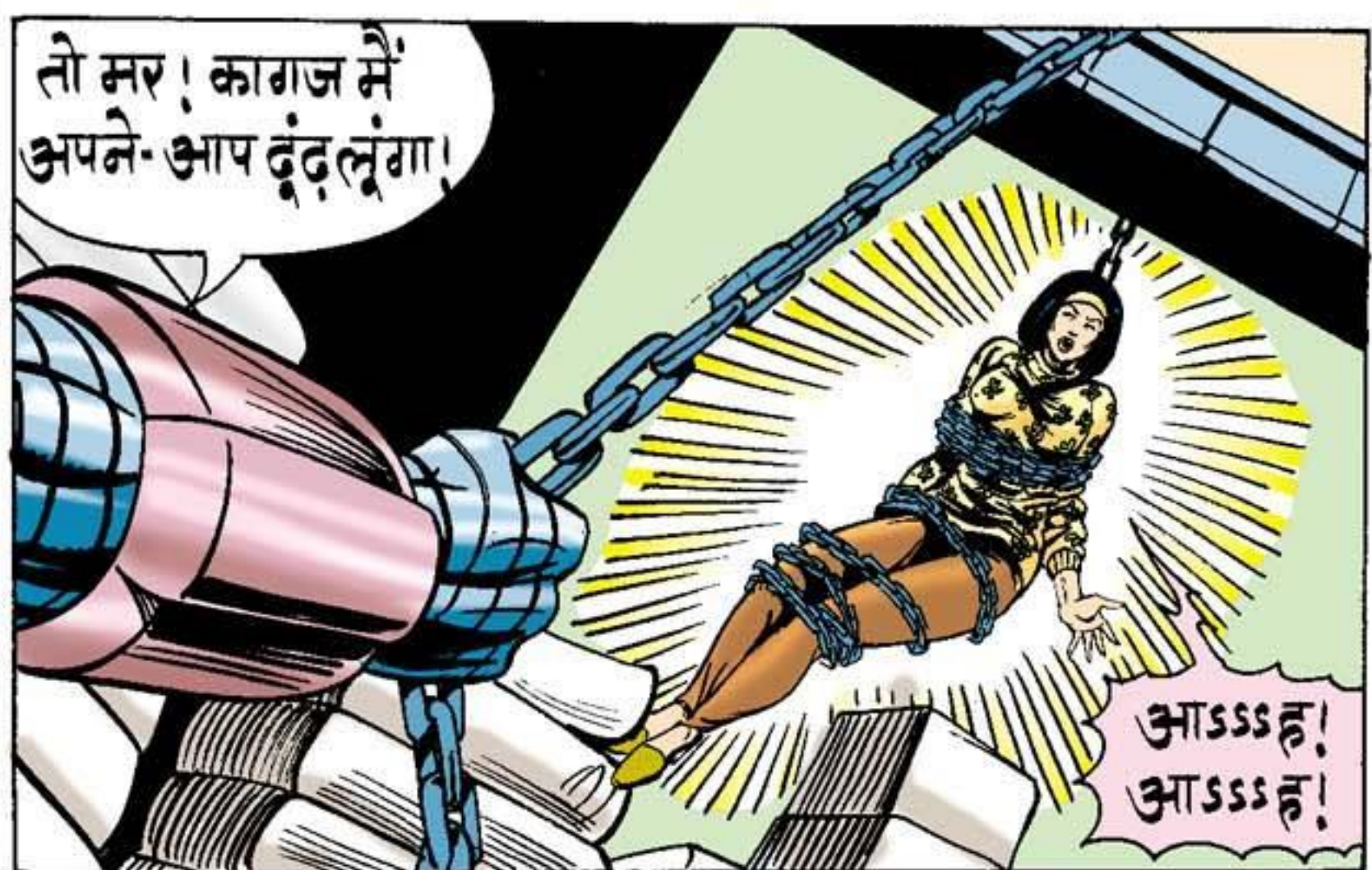
बेबसों पर जुल्म ढाना बुजदिलों का काम है। तेरे जैसे बुजदिल का काम!

ध्रुव! थैंक गॉड कि तुम जल्दी होश में आ गए!

ओह! तो तू ध्रुव है! जरूर वही ध्रुव होगा, जिसने चुंबा को पहले हराया था! यानी पेज लेने के साथ-साथ उस पुराने अपमान का बदला भी चुकाना होगा!
PRINTING INK RED
तू न तो कोई पेज ले जा पाएगा, और न ही बदला ले पाएगा! क्योंकि तू यहां से बाहर जाएगा ही नहीं!
जल्दी कुछ करो ध्रुव! वरना यह तो हमारे सिर फाड़ देगा!
चुंबकत्व को खत्म करने का सबसे तेज रास्ता ऊष्मा है! लेकिन यहां पर ऊष्मा का प्रयोग किया तो भयंकर अग्निकांड हो सकता है!
ओऽऽऽ! इसकी चुंबकीय किरणें मेरे धातु के ब्रेसलेट और 'शू-रिंग्ज' से आ टकराई हैं! यानी... यानी...
यानी अब तेरे शरीर पर रडारा का कब्जा है!
अब तेरे हाथों और पैरों को मैं चलाऊंगा!

आऽऽऽह!

आहा! ये रसायन तो काम में आ सकते हैं! इन दोनों रसायनों को मिलाने से जो प्रतिक्रिया होगी, उससे भारी मात्रा में ऊष्मा भी पैदा होगी! वह रडारा का चुंबकत्व नष्ट कर देगी!
और ऐसी ऊष्मा से आग भी नहीं लगेगी!

ध्रुव को बचने का कोई रास्ता सूझ नहीं रहा था-
आऽऽऽह! दिमाग अंधेरे में डूब रहा है!

कहानी 19 पेज से जारी

तभी-
ओह! तू मुझ पर कोई रसायन फेंक रही है! लेकिन खडारा की 'खडार सेंस' सब कुछ भांप लेती है। इस रसायन को मैं अपने 'चुंबक जाल' से रोक लूंगा! ...
छपाक
... और तुझे इस धृष्टता की सजा दूंगा!
दोनों मच्छर रास्ते से हट गए! अब मैं वह कागज ढूंढूगा! मैंने उस खास कागज का रूप देखा हुआ है! अब मेरा 'मैगनेटिक ब्लास्ट' सारे कागजों को हवा में उड़ाएगा, और मैं हवा में उड़ते अलग-अलग कागजों में से उस खास पेज को पहचान लूंगा!
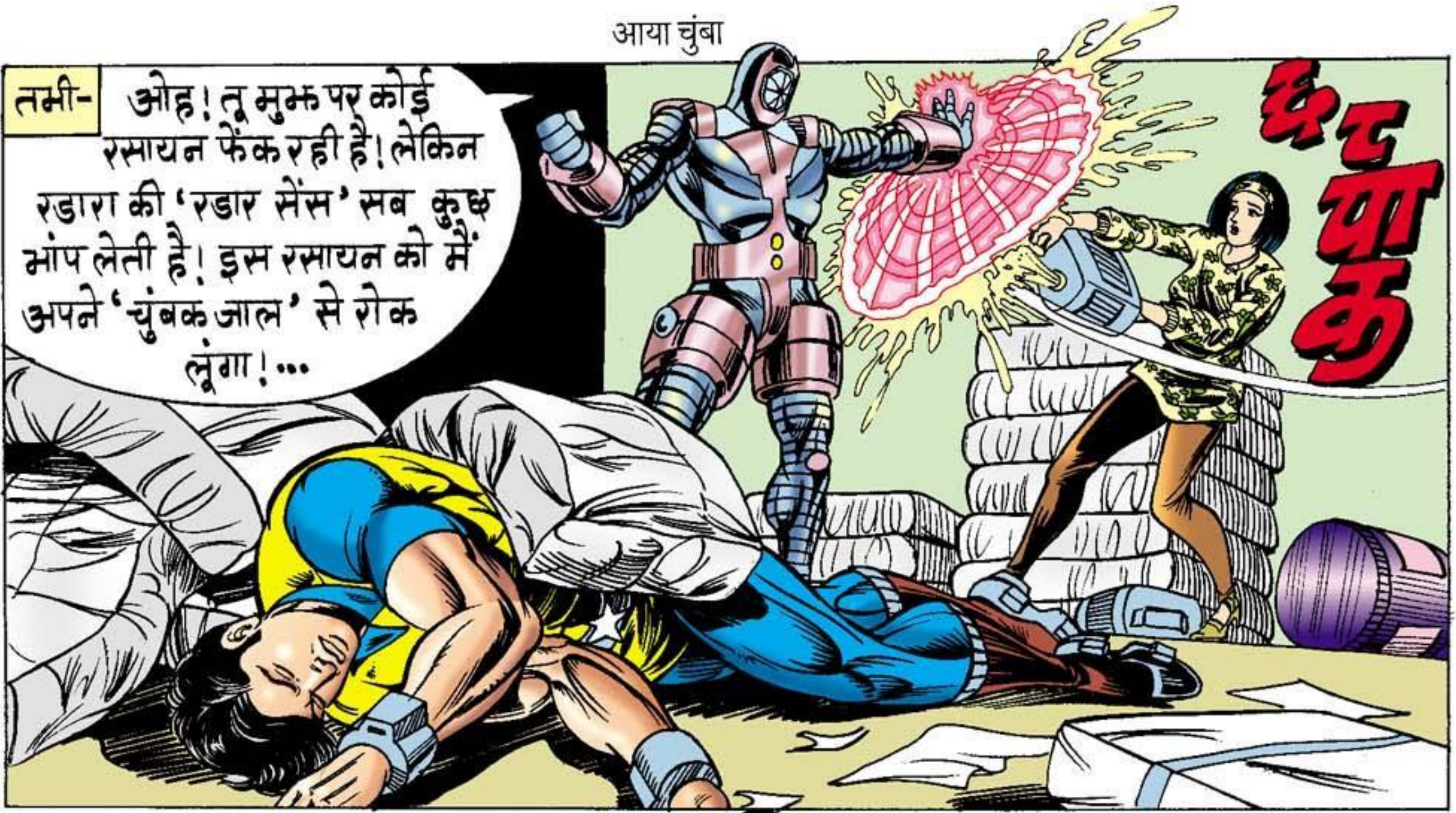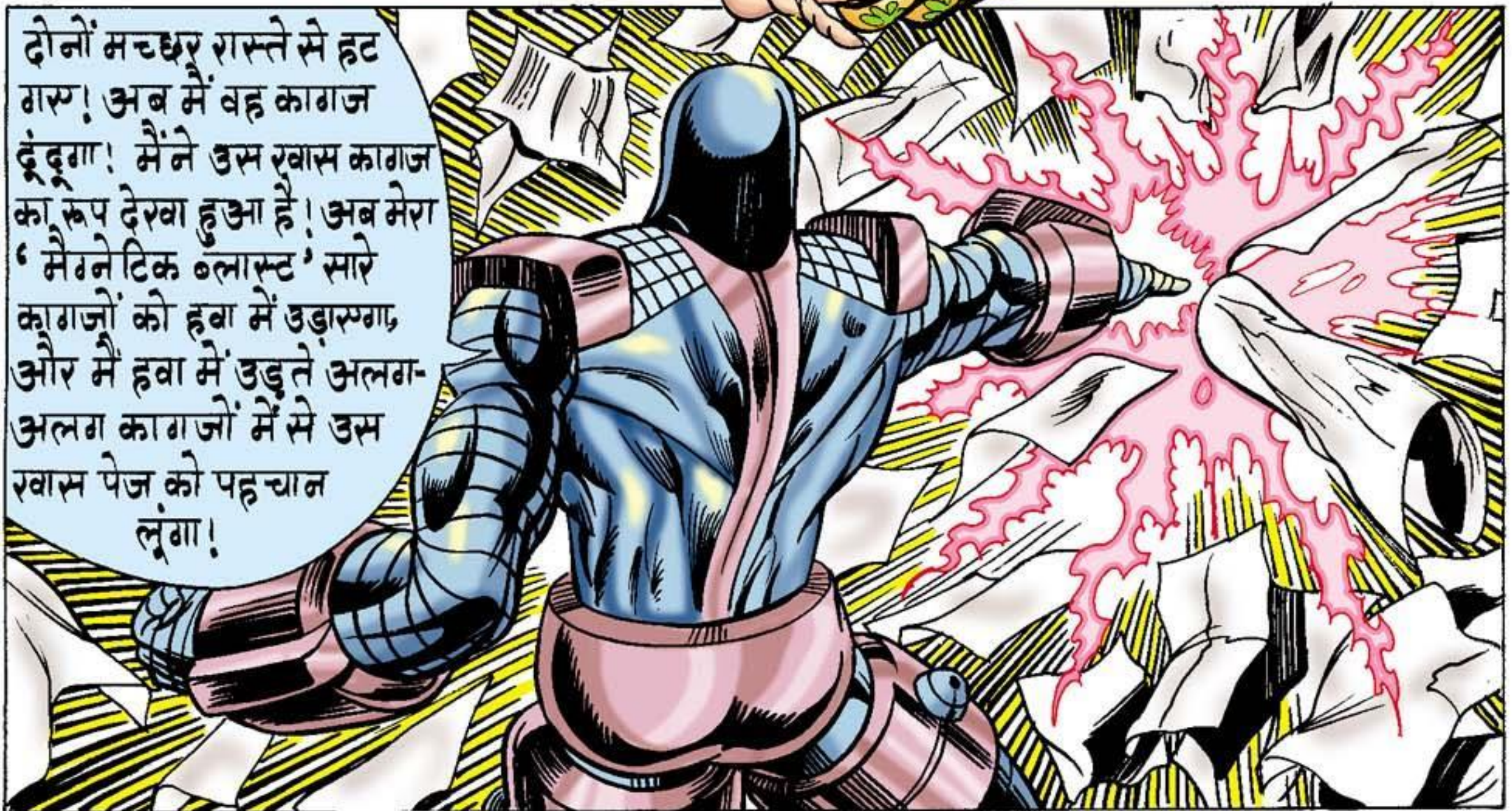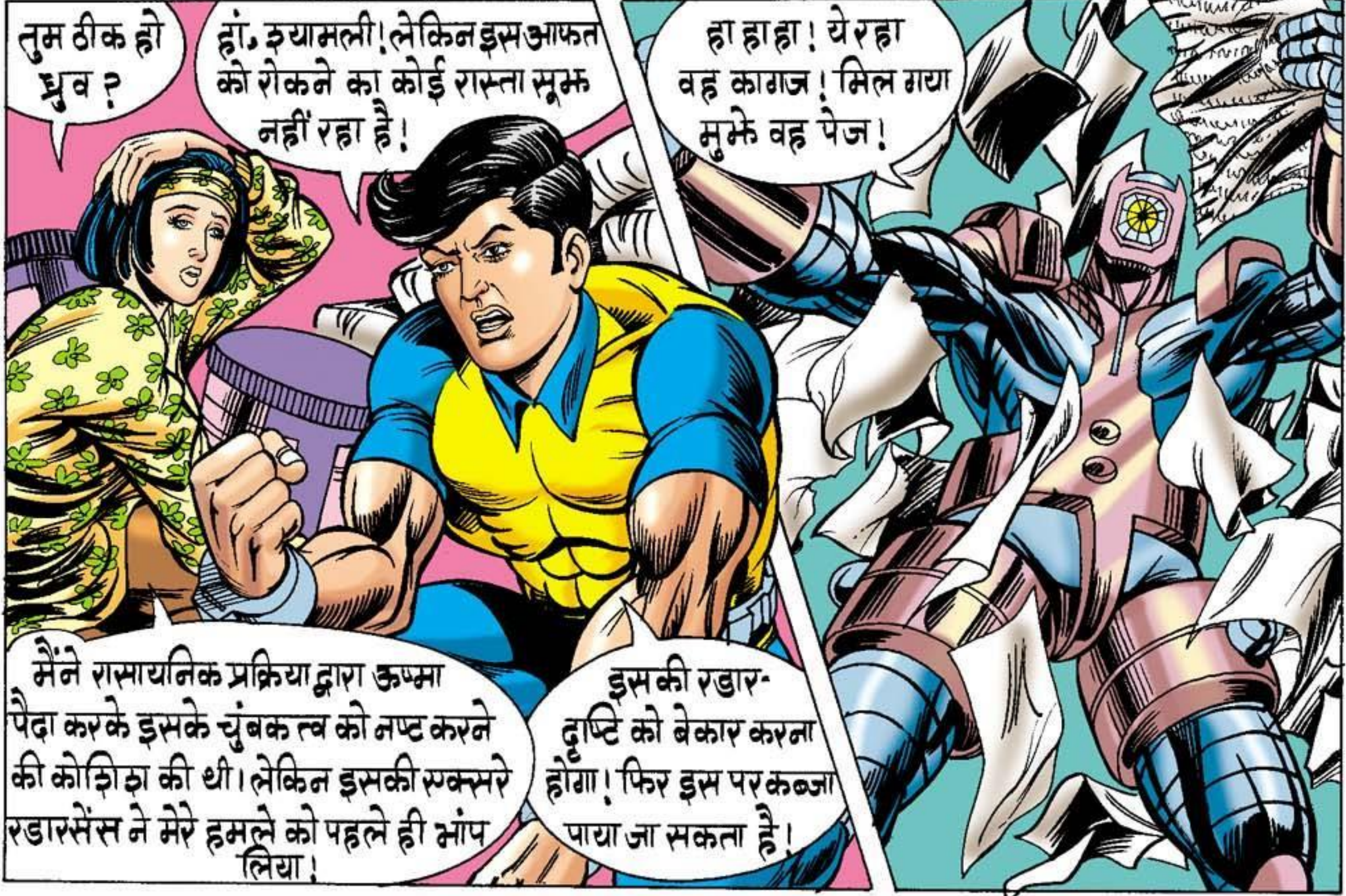
तुम ठीक हो ध्रुव ?
हां, श्यामली ! लेकिन इस आफत को रोकने का कोई रास्ता सूझ नहीं रहा है !
मैंने रासायनिक प्रक्रिया द्वारा ऊष्मा पैदा करके इसके चुंबकत्व को नष्ट करने की कोशिश की थी। लेकिन इसकी एक्सरे एडारसेंस ने मेरे हमले को पहले ही भांप लिया !
इसकी रडार-दृष्टि को बेकार करना होगा ! फिर इस पर कब्जा पाया जा सकता है !
हा हा हा ! ये रहा वह कागज ! मिल गया मुझे वह पेज !
सोचो ध्रुव ! कुछ तो सोचो ! समय बिल्कुल नहीं है !
क्या करूं ? एक्सरेज को तो सिर्फ लेड धातु ही रोक सकती है। लेकिन यहां पर लेड कहां... आहा !
PRINTING INK RED
क्या हुआ ?
मिल गया लेड !
तुम इसका ध्यान बंटाओ श्यामली ! ताकि मैं इस पर वार कर सकूं !
अब मैं तो चला ! चुंबा उस्ताद का काम भी हो गया, और ध्रुव को पटखनी देकर मैंने उनका बदला भी ले लिया !
अब ध्रुव को मारने के लिए रुकना समय की बर्बादी होगी !
ठहर रडारा !
तू मेरा कागज लेकर यहां से बाहर पैर नहीं रख सकता !

तू बार- बार ये क्यों भूल जाती है कि मेरा 'रडार सेंस' किसी भी चीज को अपने तक पहुंचने से पहले ही भांप लेता है, और फिर मैं उसको इस लायक ही नहीं छोड़ता कि वह चीज मुझ तक पहुंच सके!
PRINTING RED
अब यही हाल तेरे 'रडार सेंस' का होने वाला है। मैं उसको इस लायक छोड़ूंगा ही नहीं कि दुबारा तू उसका इस्तेमाल कर सके!
आऽऽऽह! ये तूने मुझ पर क्या फेंक दिया है? मुझे कुछ दिखाई क्यों नहीं दे रहा है? मेरी रडार सेंस काम नहीं कर रही है!
ये प्रिंटिंग इंक है रडारा, जिसमें लेड धातु काफी मात्रा में मौजूद होती है। और यही लेड तेरी एक्सरे रडार सेंस को रोक रहा है!
मेरी चुंबकीय शक्ति अभी भी मुझमें मौजूद है। मैं अभी इस इंक को साफ करके उससे तुम दोनों को खत्म कर दूंगा!
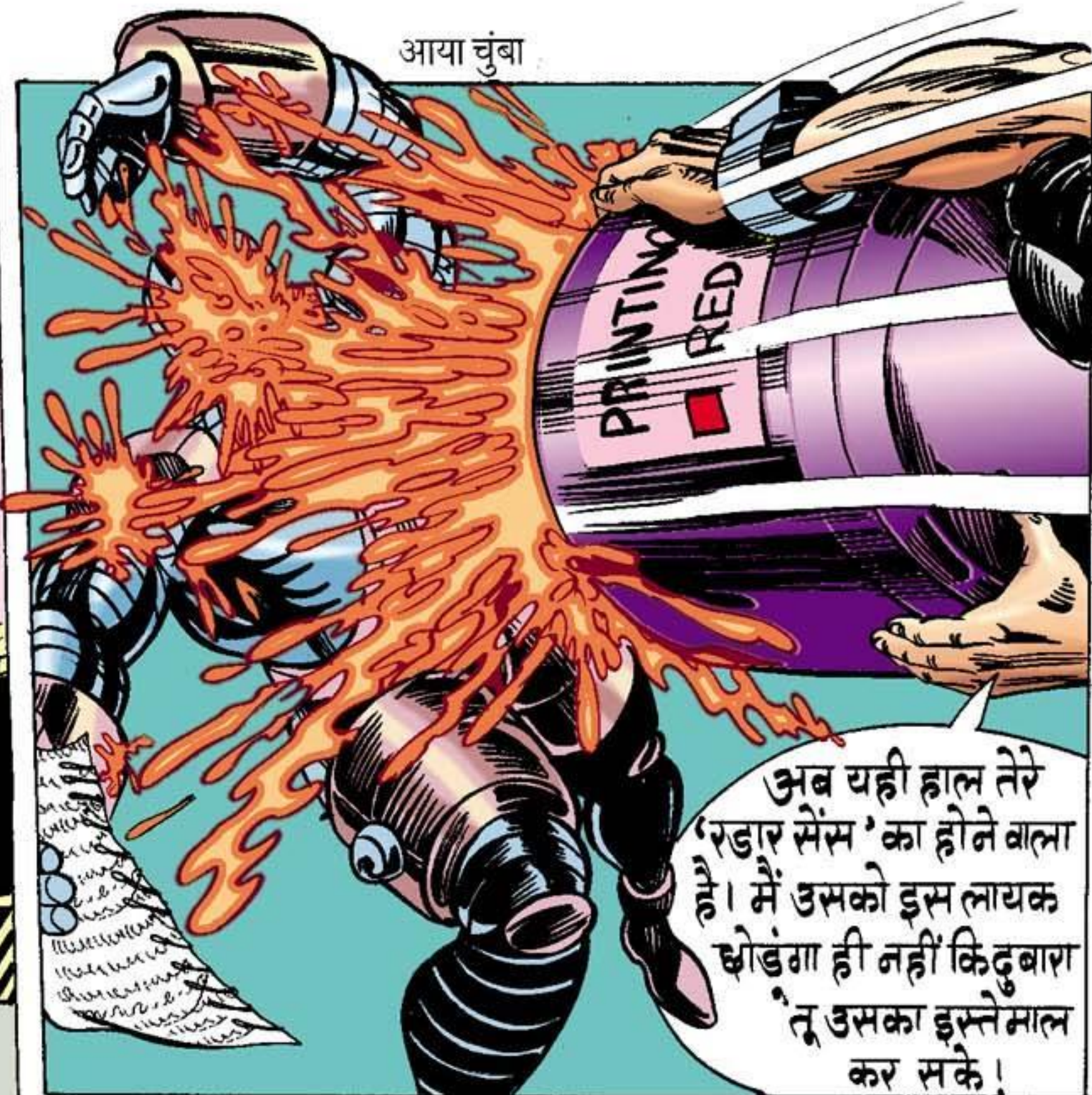
उसके लिए तुझे देखने की जरूरत पड़ेगी रडारा! और देखने के लिए ढ़ंक को साफ करना पड़ेगा! ले, मैं रसायनों से तेरा मुंह धो देती हूं!
पहले एक रसायन से!
?
और फिर दूसरे रसायन से!
आऽऽऽह! मेरा... मेरा कवच गर्म हो रहा है! ऐसा लग रहा है, जैसे मैं भट्ठी में कैद हूं!
ये रसायनों की प्रतिक्रिया के कारण पैदा होने वाली ऊष्मा है रडारा!
तेरी चुंबकीय शक्ति तो ऊष्मा ने खत्म कर दी है रडारा! अब मैं तेरे रडार को भी खत्म कर देता हूं!
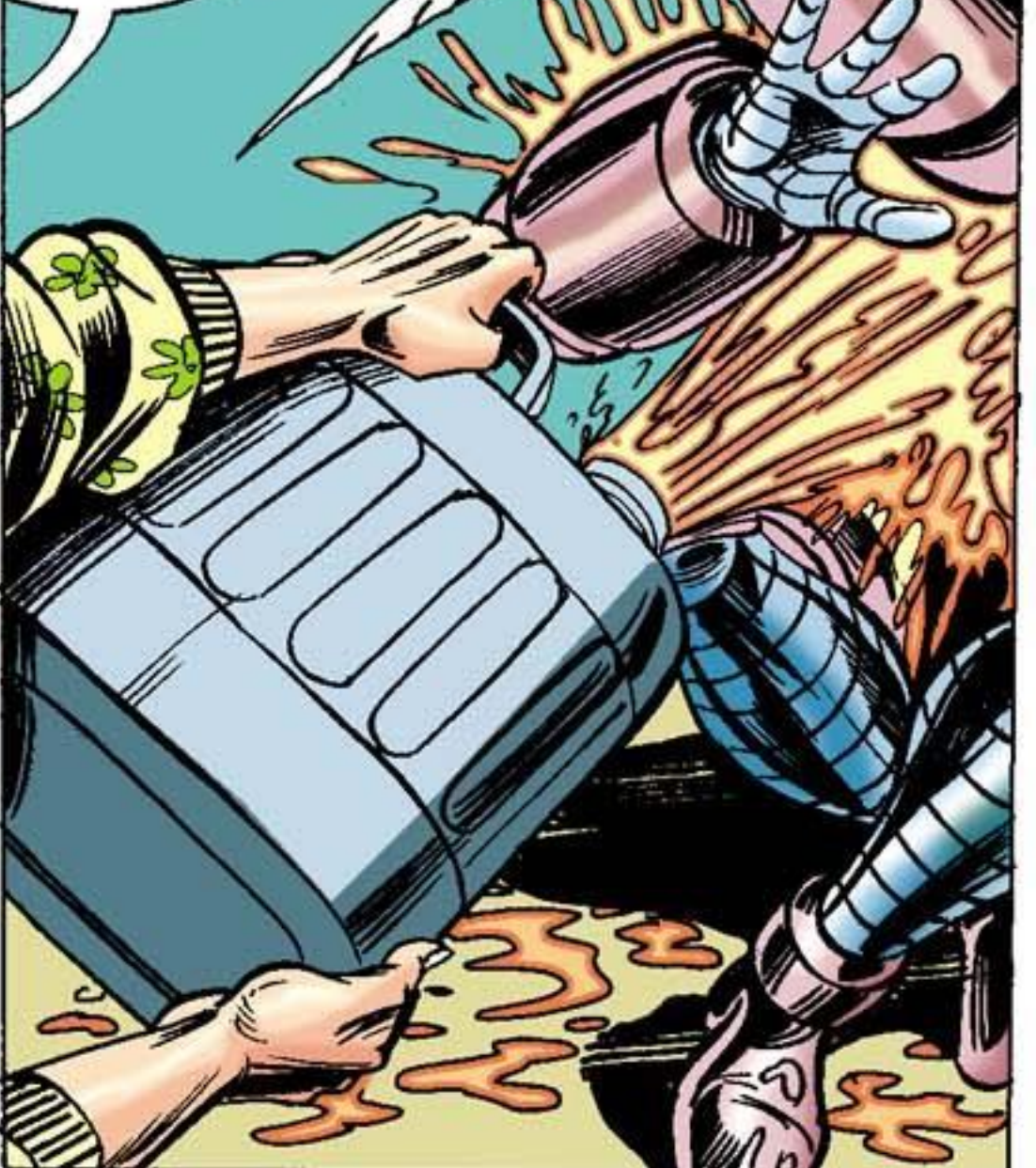
आऽऽऽ ह!
तेरे बारे में जो कुछ सुना था वह सच था ध्रुव! तेरे अंदर हारती बाजी को भी जीतने की क्षमता है! अब मैं यहां से भाग नहीं सकता! लेकिन तू मुझे चुंबा उस्ताद तक ये फार्मूला पहुंचाने से रोक भी नहीं सकता!
जब तू कागज लेकर जा ही नहीं पाएगा, तो ये फार्मूला चुंबा तक कैसे पहुंचाएगा?
ये विज्ञान का युग है ध्रुव! मेरे मॉस्क के स्कैनरों ने इस कागज के फार्मूले को चुंबकीय तरंगों में बदलकर चुंबा उस्ताद के पास भेज दिया है। अब मुझे यह कागज ले जाने की जरूरत नहीं है!
इस कागज को अब मैं फाड़ देता हूं!
चर्ररररररर
तड़ाक्क
ओफ्! ये क्या हुआ? हमारी सारी मेहनत बेकार हो गई!
इस फार्मूले का दुरुपयोग नहीं होगा श्यामली! चुंबा तक हमको यह रखवाला खुद पहुंचाएगा!
होश में आने के बाद!

लेकिन ध्रुव को मायूसी ही हाथ लगनी थी-
रडारा का मैसेज चुंबकीय तरंगों द्वारा आ रहा है! यानी वह पकड़ा गया। और ध्रुव के अलावा भला उसको और कौन पकड़ सकता है!
मैंने अपना अड्डा बदलकर अच्छा ही किया! क्योंकि रडारा मुंह खोल सकता है। इस अड्डे का पता रडारा को नहीं है!

वर्षों के बाद किसी काम में सफलता मिली है! यह इस श्याम खंड के कारण ही है! जय हो, जय हो मेरे भगवान!

पाप- भक्ति किसी को शक्ति दे रही थी-
आहा! बड़े दिनों के बाद किसी महापापी की भक्ति मिल रही है। ये पापी चुंबा जितने पाप करेगा, मुझे उतनी ही शक्ति मिलेगी।
जा चुंबा जा! संसार पर राज कर, और पाप कर!
लेकिन चुंबा एक बात को नजर अंदाज कर रहा है। मुझे उसको समझाना होगा। इस काम में जरा सी भी चूक नहीं होनी चाहिए!
मुझे चुंबा के पास जाना होगा।
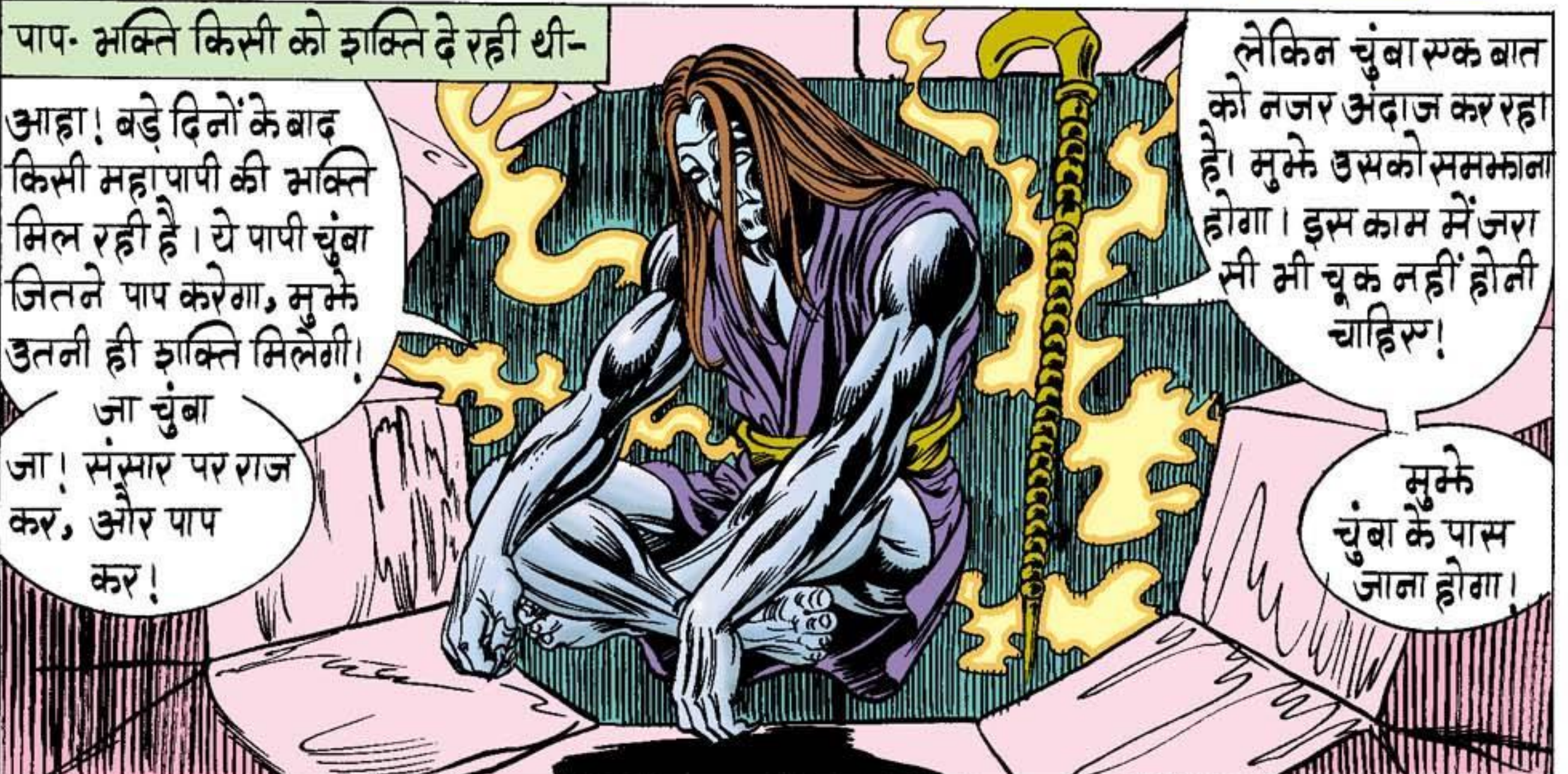
षडयंत्र गहराता जा रहा था! और ध्रुव अंधेरे में ही हाथ-पैर मार रहा था-

चुंबा के आदमी पर हमको 'फोर्थ डिग्री' आजमानी पड़ी! तब कहीं जाकर उसने चुंबा के अड्डे का पता बताया! लेकिन वहां पर रेड में तो एक मामूली चुंबक तक नहीं मिला!

कहीं ऐसा तो नहीं कि रडारा ने जानबूझकर गलत पता बताया हो?

ऐसा संभव नहीं है ध्रुव! आज तक कोई भी अपराधी फोर्थ डिग्री आजमाने के बाद झूठ नहीं बोल पाया है!

यानी चुंबा ने पहले से ही अपना अड्डा बदल लिया है! और इस वक्त वह कहां पर होगा, इसका पता चलना असंभव है!

लेकिन उस कागज में ऐसा क्या था, जिसको जानकर चुंबा कोई बड़ा अपराध कर सके!

यह न तो मुझे पता है, और न श्यामली को!

यह तो सिर्फ उसके नाना ही बता सकते हैं!...

...रडारा को पुलिस के हवाले करने के बाद मैं श्यामली के साथ उसके घर गया था! उसके नाना वहां पर हमको झुलसी हुई अवस्था में बेहोश मिले! डॉक्टरों के अनुसार वे बच तो जाएंगे, लेकिन वह होश में कब आएंगे, यह कहना मुश्किल है!

और उनके होश में आए बगैर हमको यह पता नहीं चल सकता कि उस कागज में क्या लिखा था! मैं अस्पताल जाकर पता करता हूं!

ओह! जय हो, जय हो! आपको आने की क्या जरूरत पड़ गई मेरे भगवान?

मुझे भगवान मत कहो! शैतान कहो! भगवान शब्द सुनकर मुझे उबकाई आती है!

इस मिश्रण को बनाने के साथ-साथ तुमको उन दो इंसानों को भी खत्म करना पड़ेगा, जो इसके बारे में जानते हैं! नाना और नातिन। क्योंकि जो कोई भी इस मिश्रण के बारे में जानेगा, वह इसकी काट भी बना सकता है!

आदेश दीजिए कि मुझे क्या करना होगा मेरे शैतान?

नाना इस वक्त नानावटी अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच में झूल रहा है। उसको मौत की तरफ धकेल दो!

इसके बाद नातिन को भी खत्म कर देना! फिर मिश्रण की जानकारी सिर्फ तुम्हारे पास होगी!

और इसकी काट कभी नहीं बन पाएगी!

ओह! ठीक कहा आपने! मैं अभी दोनों को खत्म करने का इंतजाम करता हूं!

तरंगी!

नानावटी अस्पताल में-
इनका जल्दी होश में आना बहुत जरूरी है डॉक्टर! कम से कम इतना तो पता कीजिए कि इनका कोमा किस वजह से है, और वह वजह कैसे दूर की जा सकती है!
तरीका तो है ध्रुव! लेकिन महंगा है! अस्पताल में एक नई मशीन आई है, जो अल्ट्रावॉयलेट तरंगों के द्वारा ब्रेन के हर हिस्से को स्कैन कर सकती है! उससे शायद कुछ पता चल सके!
आप खर्च की चिन्ता मत कीजिए डॉक्टर!
इलाज का सारा खर्च मैं वहन करूंगा!
कुछ ही देर बाद-
बस! लगभग तुरंत ही हमको 'अल्ट्रावॉयलेट फोटोग्राफ्स' मिल जाएंगे! फिर हम उनका अध्ययन करके कारण पता लगा लेंगे!
इसी वक्त- अस्पताल के रिसेप्शन पर-
ऐ मैडम!
वह जला हुआ बूढ़ा कहां है, जिसे आज ही यहां लाया गया है!
जाओ भई!
मिलने का समय खत्म हो गया है!
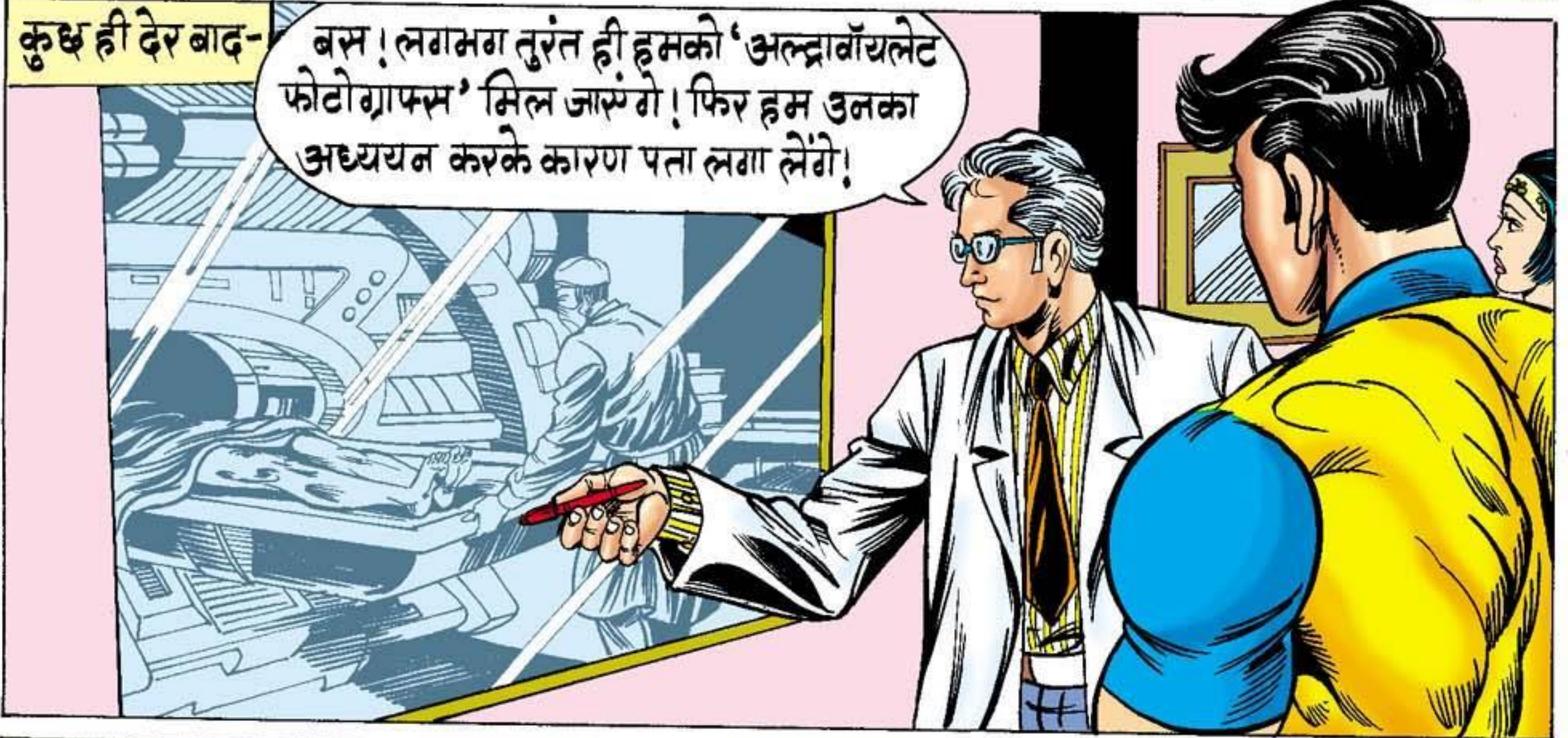
मेरा किसी से मिलने का समय कभी खत्म नहीं होता है।...
... क्योंकि मैं उनसे ही मिलने आता हूं, जिनका समय खत्म हो जाता है!
बता! कहां है वह जला हुआ बूढ़ा?
रिसेप्शन
गॉड्स तेजी से आए-
गॉड्स! गॉड्स! बचाओ!
और दुगुनी तेजी से पीछे लौट गए-
आऽऽऽ ह!
गोली चलाओ इस पर! इसके इरादे खतरनाक हैं!

धांय
तरंगी को गोलियों से रोकेगा? हा हा!

आश्चर्यचकित गॉर्डों को संभलने का मौका नहीं मिला-
उस झटके ने दोनों को बेहोशी के अंधेरे में डुबो दिया-

ये तो गोलियों की आवाज थी! गॉर्ड्स ने पंद्रह सालों में आज पहली बार गोली चलाई है!
यानी खतरा बड़ा है। मैं देखता हूं! आप यहीं पर रुकिएगा डॉक्टर!

अब बता! कहां पर है वह बूढ़ा?
नहीं बताऊंगी!
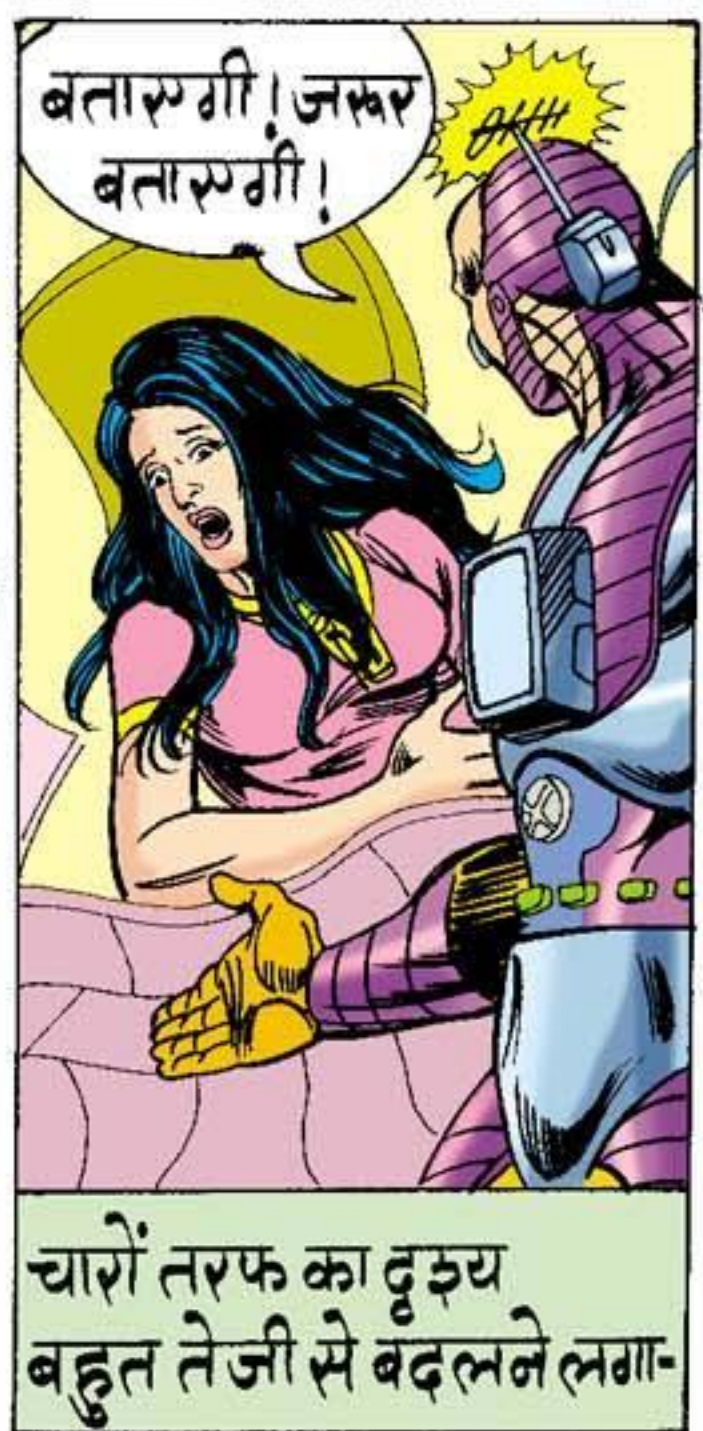
बताएगी! जरूर बताएगी!
चारों तरफ का दृश्य बहुत तेजी से बदलने लगा-

और-
ये... ये मैं कहां आ गई हूं?
अस्पताल कहां गया?
अस्पताल पीछे छूट गया है!
यहां पर इंसान अस्पताल के बाद आता है! यह मौत का घाट है! दलदल!
बचाओ! मुझे बचाओ!
मैं धंस रही हूं! मैं मर जाऊंगी! मर जाऊंगी!
बूढ़े का पता बता दे! मैं तुझे बचा लूंगा!
इस हाथ दे, उस हाथ ले!
बूढ़ा! कौन सा बूढ़ा? वो जला हुआ बूढ़ा! हां हां! उसको अल्ट्रावॉयलेट स्केन के लिए ले गए हैं! ग्राउंड फ्लोर पर 52 नंबर कमरा!
गुड!
अब तू वापस अपनी जगह पर आ जा!
अस्पताल में!
आssssह!

अब ५२ नंबर कमरा ढूंढना है! इधर ही होगा! ३६...३७...

37

36

... और चारों खाने चित्त!

सुपर कमांडो ध्रुव! मुझे तेरे बारे में सावधान किया गया था!

इसीलिए मैं ऐसी शक्तियों के साथ आया हूं, जिनसे तू कभी बच नहीं सकता!

देख तरंगी की शक्तियां!
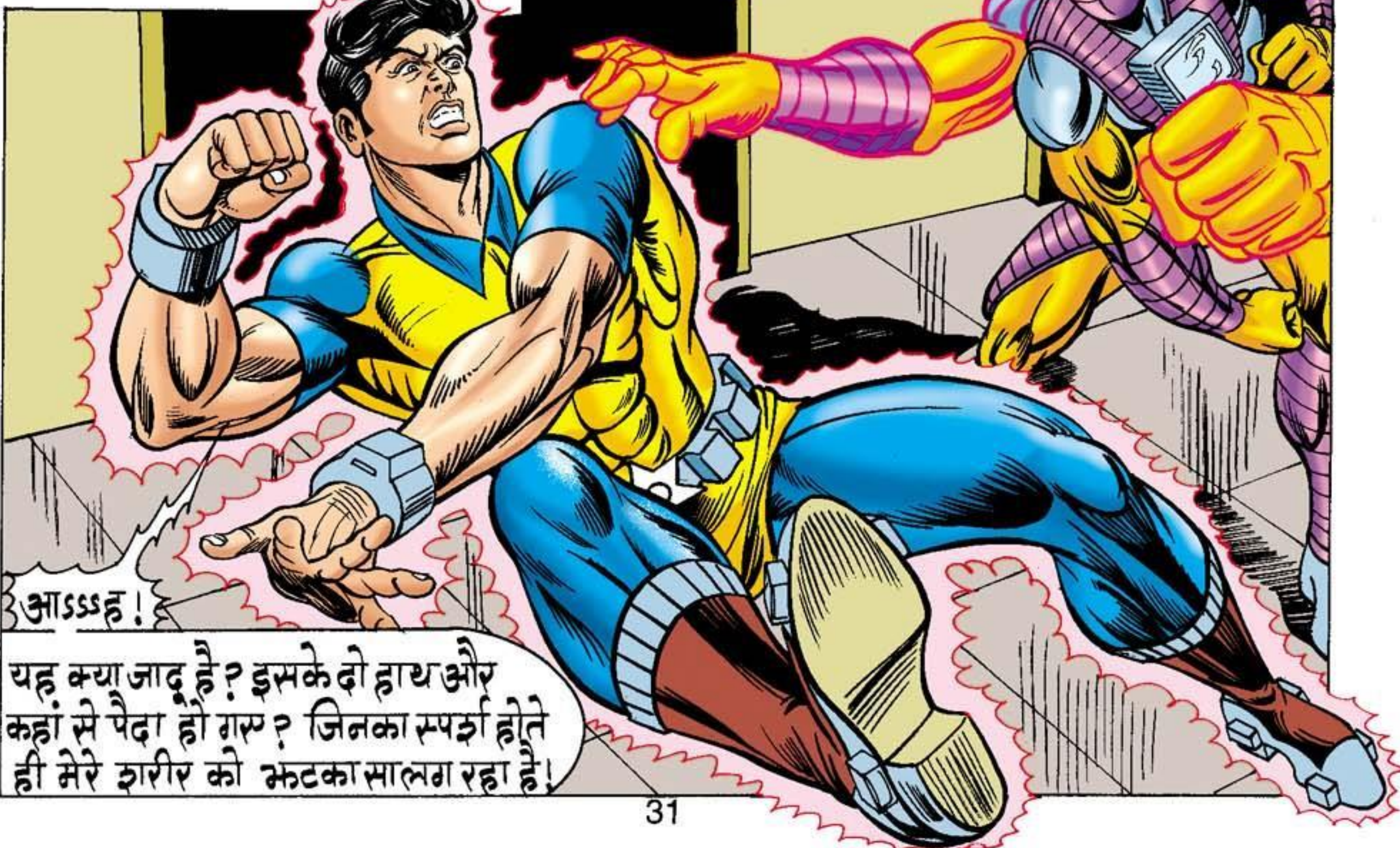
आऽऽऽह!

यह क्या जादू है? इसके दो हाथ और कहां से पैदा हो गए? जिनका स्पर्श होते ही मेरे शरीर को झटका सा लग रहा है!
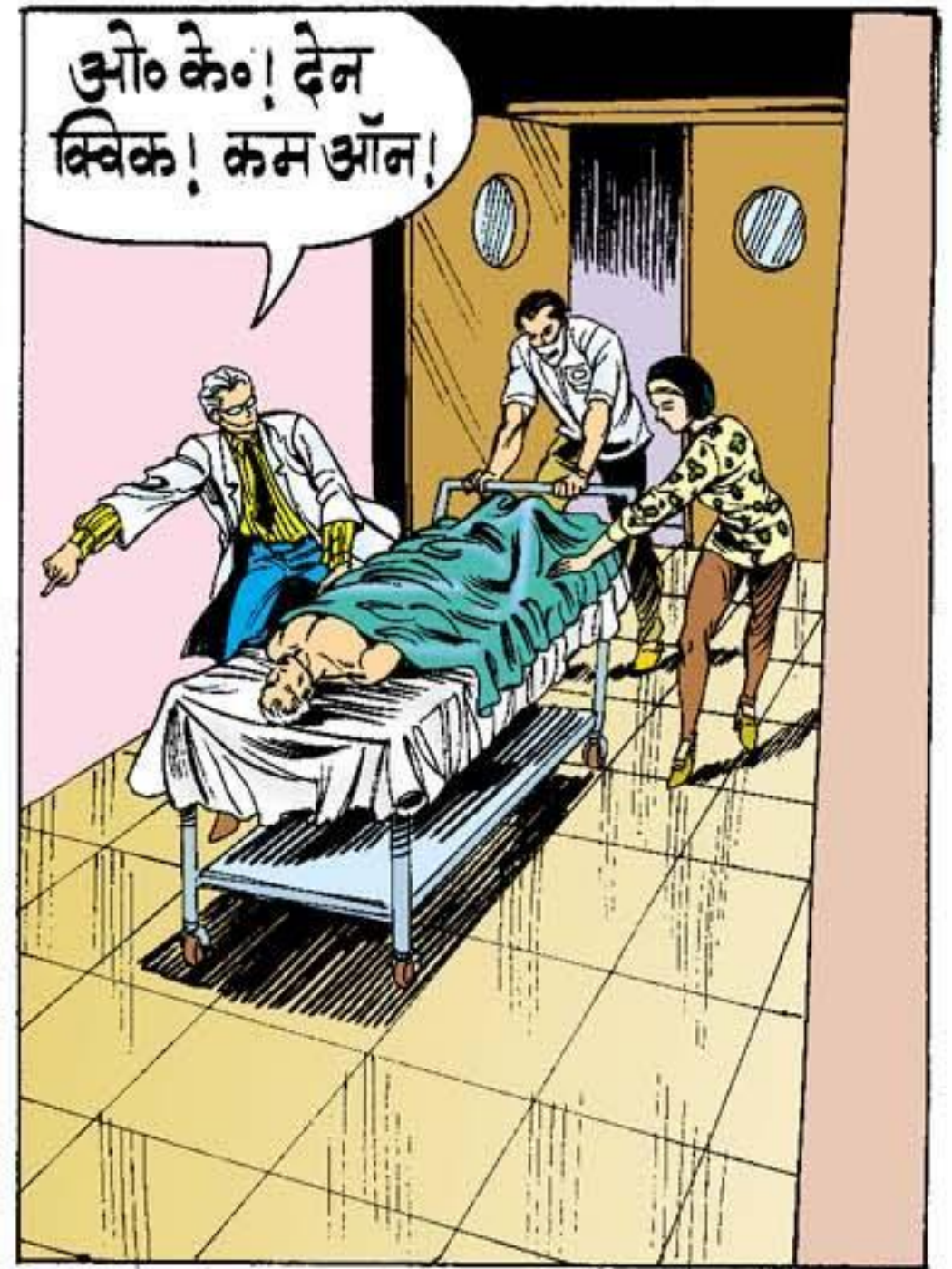
इसी वक्त-
ये क्या कह रहे हो? इतना खतरनाक इंसान एक बूढ़े को मारने आया है!
मैं छिपकर सब सुन रहा था, डॉक्टर साहब! वह तरंगी इन्हीं का पता पूछ रहा था!
ओ माई गॉड! इनको तुरंत यहां से ले चलना चाहिए!
स्कैन हो गया है! आप इनको ले जा सकते हैं सर!
ओ० के०! देन क्विक! कम ऑन!
ध्रुव तरंगी के शिकंजे में बुरी तरह से फंस गया था-
हा हा हा! तरंगी के शिकंजे से इंसान कभी नहीं निकलता! सिर्फ उसकी जान निकलती है!
ओफ़! सारी नसें कांप रही हैं! धड़कन भी बेकाबू हो रही है!
यह तरंगी जरूर चुंबा का भेजा हुआ आदमी है!
यानी इसकी शक्तियां भी चुंबकत्व पर ही आधारित होनी चाहिए!

मेरा अनुमान है कि ये हाथ 'विद्युत चुंबकीय तरंगों' से बने हुए हैं! इसी लिए इनके स्पर्श करने से शरीर में तीव्र चुंबकीय तरंगें दौड़ रही हैं! और शरीर के विभिन्न अंगों और नर्वस सिस्टम पर बिजली के झटके जैसा असर डाल रही हैं!
मेरी धड़कन और रक्तचाप भी चुंबकत्व के कारण ही बढ़ रहे हैं!

लेकिन इतना सोचने-समझने का फायदा क्या है? इनसे बचने का तो कोई रास्ता ही नहीं है!

आहा! एक तरीका आजमाया जा सकता है!
हा हा हा! तू पिंजरे में बंद उस चूहे की तरह तड़प रहा है, जिसको पानी में डुबो दिया जाए! अब तू मरेगा भी उस चूहे की ही तरह!

ये... ये तू क्या कर रहा है? स्विच बोर्ड का पैनेल क्यों उखाड़ रहा है?

इन तारों का तुम्हारे 'इलेक्ट्रो मैग्नेटिक हाथों' से स्पर्श कराने के लिए, तरंगी!

अरे! मेरे... मेरे 'हाथ' तारों में खिंचते जा रहे हैं! कैसे?

तरंगों को अगर कोई 'सुचालक माध्यम' मिल जाए तो वे इधर-उधर न जाकर सीधे उसी में प्रवेश कर जाती हैं!

वैसे ही जैसे अगर किसी इमारत में तड़ित चालक लगा हो तो बिजली इधर-उधर न गिरकर उसी में प्रवेश करके धरती में समा जाती है!

ऐसे ही तेरे मैग्नेटिक तरंगों वाले हाथ भी तारों में खिंच गए हैं!

और अब मैं तुझको दूसरा वार करने का मौका नहीं दूंगा!

आ...आ, ध्रुव!

लपक मेरी तरफ! पकड़ ले मुझे!

आ पकड़ ले !

अरे ! यह क्या हो गया ? मैं अस्पताल से इस पहाड़ पर कैसे आ गया ?

यह असंभव है! यह जरूर भ्रमजाल है! मैं अस्पताल के फर्श पर खड़ा था! मुझे अभी भी वहीं पर होना चाहिए!

ऐसा समझता है तो बढ़ा आगे कदम! और जान ले सच्चाई!

मैं कदम तो आगे बढ़ाऊंगा जरूर, लेकिन हवा में पैर रखने के लिए नहीं! बल्कि सीधा तुझ तक पहुंचने के लिए!

ध्रुव ने 'रिस्क' तो जरूर लिया था-

लेकिन यह नपा-तुला और सोचा-समझा रिस्क था-

मेरा सोचा सही था! तू इस बार 'इलैक्ट्रो मैगनेट तरंगों से' दृश्यों को प्रक्षेपित कर रहा था! तेरी खोपड़ी पर लगा एंटीना हिलाने से प्रक्षेपित दृश्य भी कांप कर गायब हो रहा है! ...

तू सही समझा! मैग्नेटिक रेडिएशन देखने वाले के दिमाग पर ऐसा असर डालते हैं कि वह अपने-आप को उसी दृश्य में पहुंचा हुआ समझने लगता है!

लेकिन ये जानकारी तेरे किसी काम नहीं आएगी। मेरे पास और भी कई शक्तियां हैं। लेकिन उनके नमूने तू बाद में देखेगा!

खौं खौं खौं! ओफ! दिखाई न देना तो सिर्फ एक समस्या है!

दूसरी समस्या है लोहे के मैग्नेटिक कण, जिनसे यह धुंध बनी हुई है। ये हर सांस के साथ मेरे फेफड़ों में जाकर खांसी पैदा कर रहे हैं!

इस धुंध को दूर करने का कोई रास्ता समझ में नहीं आ रहा है!

अगर मैं धुंध को जल्दी पार नहीं कर पाया तो इधर मैं खांस-खांसकर मर जाऊंगा, और उधर तरंगी, नानाजी को ढूंढ़कर खत्म कर देगा!
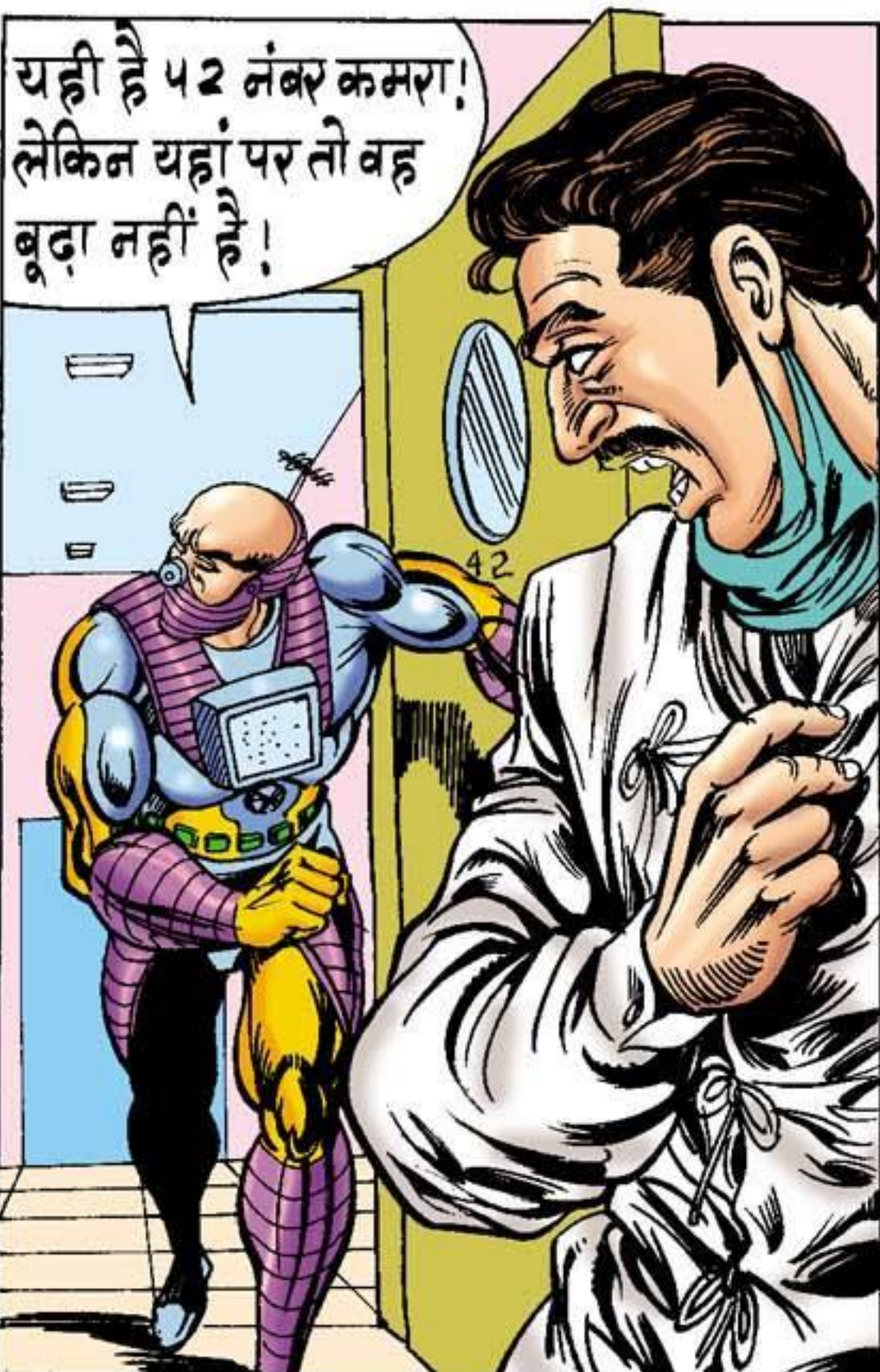
यही है 42 नंबर कमरा! लेकिन यहां पर तो वह बूढ़ा नहीं है!

तू यहां का डॉक्टर है! बता! वह जला हुआ बूढ़ा यहां से कहां गया है?

वह... आया तो था, लेकिन उसको कहां ले गए हैं... अक्... यह मुझे नहीं पता!

अक्!

बहुत हो गया चूहे-बिल्ली का खेल! अब मैं अपनी मैग्नेटिक धुंध से पूरे अस्पताल को ढक दूंगा! वह बूढ़ा जहां पर भी होगा, वहीं पर अपने आप मर जाएगा!
ये कैसी आवाज है! यह तो फायर अलार्म है। यानी अस्पताल में आग लग गई है!
टिर्रे र्रे र्रे र्रे र्रे र्रे
बहुत अच्छा!
अब तो इस इमारत को खाली करवाया जाएगा, और बूढ़े को भी बाहर लाया जाएगा। फिर मैं उसको खत्म कर दूंगा!
बस! मुझे बाहर जा कर उसका इंतजार करना होगा!
बाहर जाता तरंगी -
फिर से अंदर आ गिरा -
न तो नानाजी को बाहर आना पड़ेगा और न ही तुम यहां से बाहर जाओगे। क्योंकि न तो आग लगी है, और न बिल्डिंग को खाली कराया जा रहा है!
धड़ाक
ध्रुव! तू...तू धुंध से बाहर कैसे निकल आया?
और जब आग लगी ही नहीं, तो फायर अलार्म भला कैसे बजने लगा?
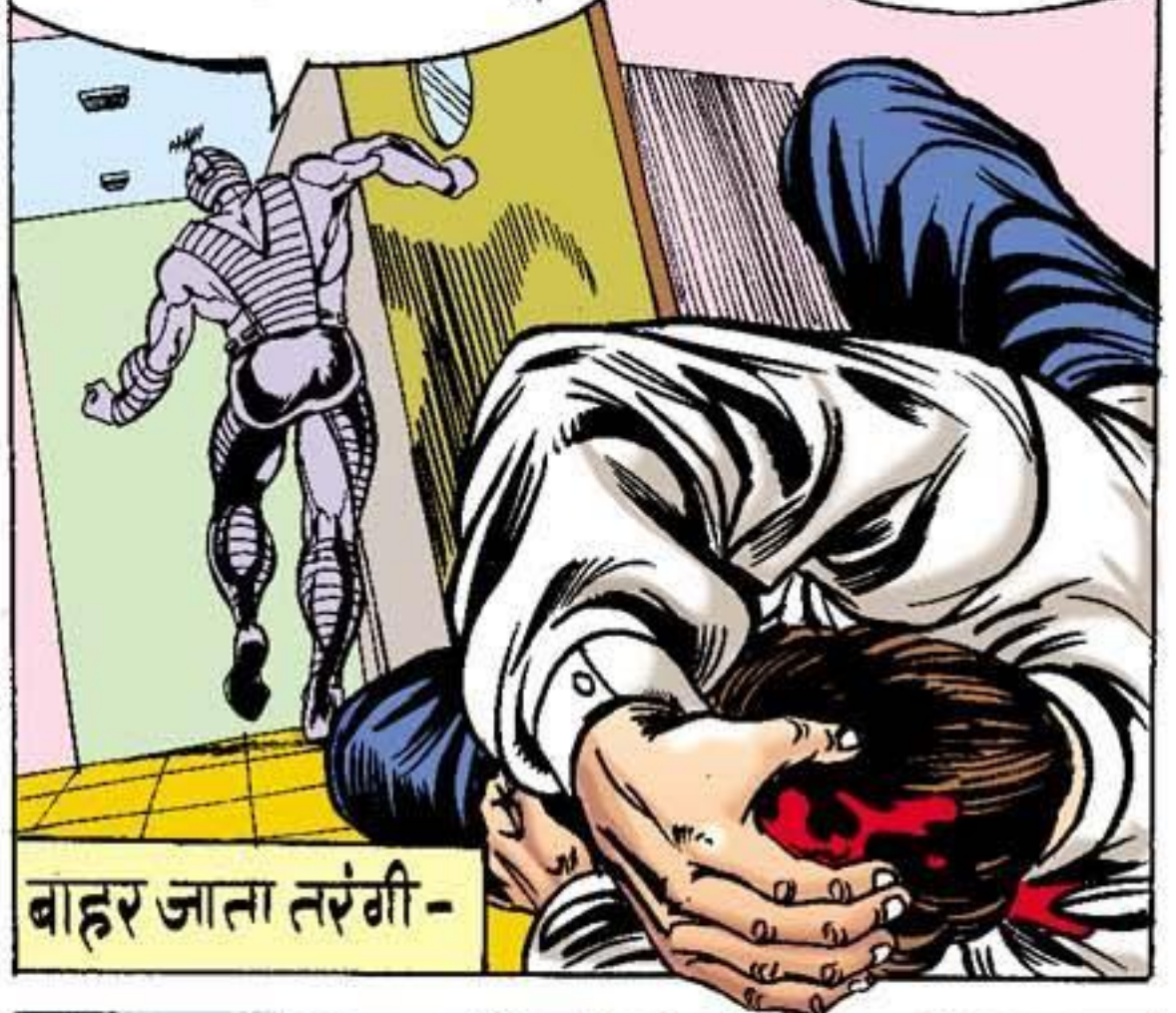
समझाता हूं! दरअसल मेरी लाख कोशिशों के बाद भी जब मैगनेटिक धुंध ने मेरा पीछा नहीं छोड़ा, तब मुझे अस्पताल में लगे 'अग्नि सुरक्षा' उपायों का ध्यान आया!

अस्पताल के हर कोने में 'स्मोक सेंसर' लगे हुए हैं! जो धुंए का आभास पाते ही, 'फायर अलार्म' को भी चालू कर देते हैं, और छत में लगे 'स्प्रिंकलर सिस्टम' को भी! स्प्रिंकलर सिस्टम पानी की तेज फुहारों से आग को बुझा देता है!

यह ध्यान आते ही मैंने अपने पास रखे 'सिगनल फ्लेयर' को छोड़ दिया, जो तेज रोशनी के साथ धुआं और गर्मी भी छोड़ते हैं। इस धुंए और गर्मी ने 'स्प्रिंकलर सिस्टम' को चालू कर दिया! ...

ओह! तू तो फिर से दृश्यों को प्रक्षेपित कर रहा है! तेरी इस चाल की काट मेरे पास है!
इस बार तू सफल नहीं होगा ध्रुव!
क्योंकि चाल तो वही है लेकिन इसमें एक नयापन भी है!
ये विस्फोट!
तेरे दृश्य की तरह ये विस्फोट भी सिर्फ एक चलते-फिरते चित्र हैं, तरंगी!
इसलिए ये मेरा कुछ बिगाड़ नहीं...
...आSSSह!
यही तो मैं तुझे समझाना चाह रहा था ध्रुव!
हा हा हा हा हा हा!
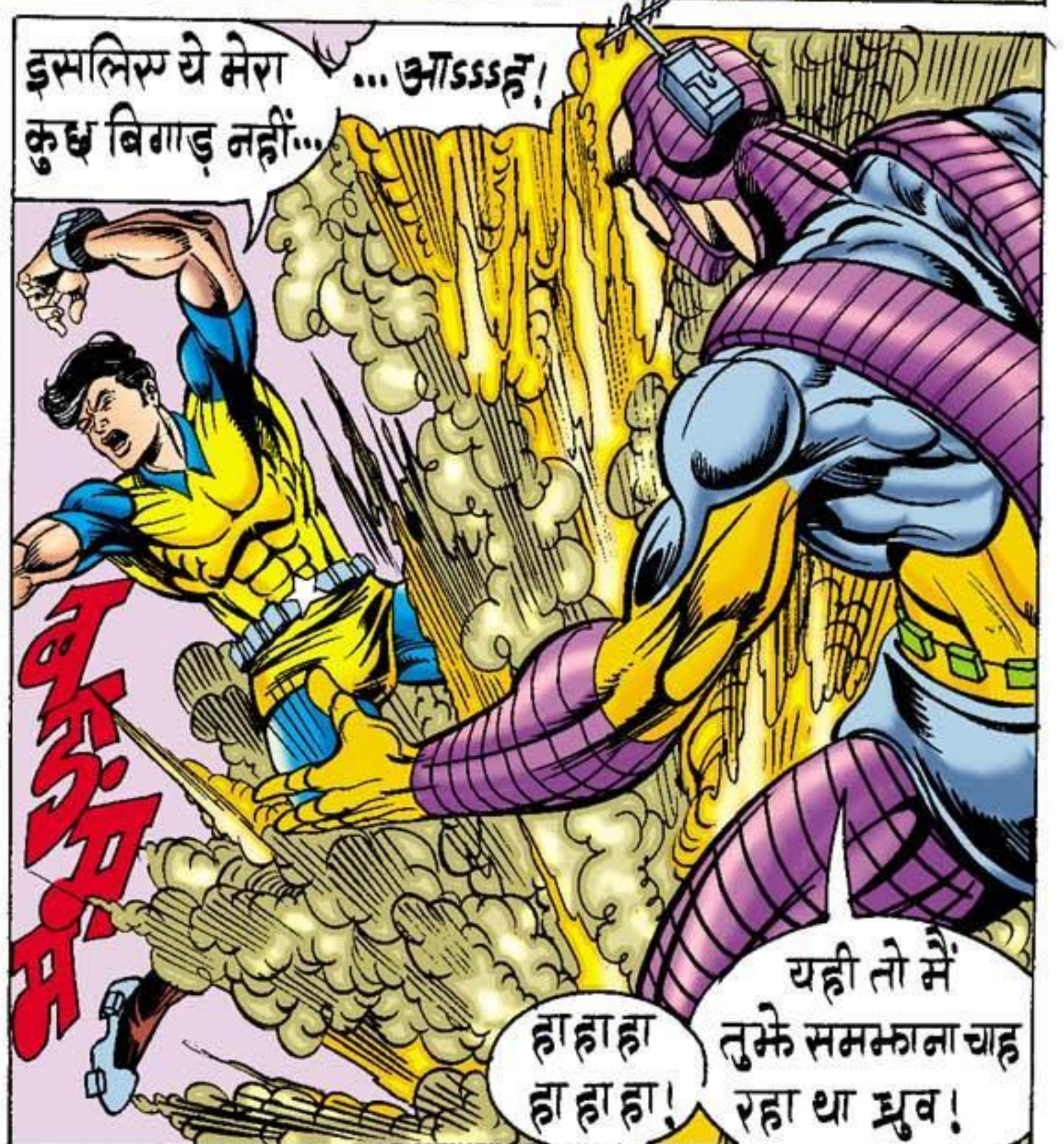
इन धमाकों में से कुछ तो सिर्फ एक दृश्य है, लेकिन कुछ असली भी हैं!...
ये उन छोटे बमों का कमाल है, जिनको मैंने जमीन पर बिखेर रखा है, और जो मेरी मैग्नेटिक तरंगों के इशारों पर फट रहे हैं!
और ये बम तेरे चारों तरफ फैले हुए हैं! तू जिधर भी जाएगा...
...नकली और असली धमाके होते रहेंगे!
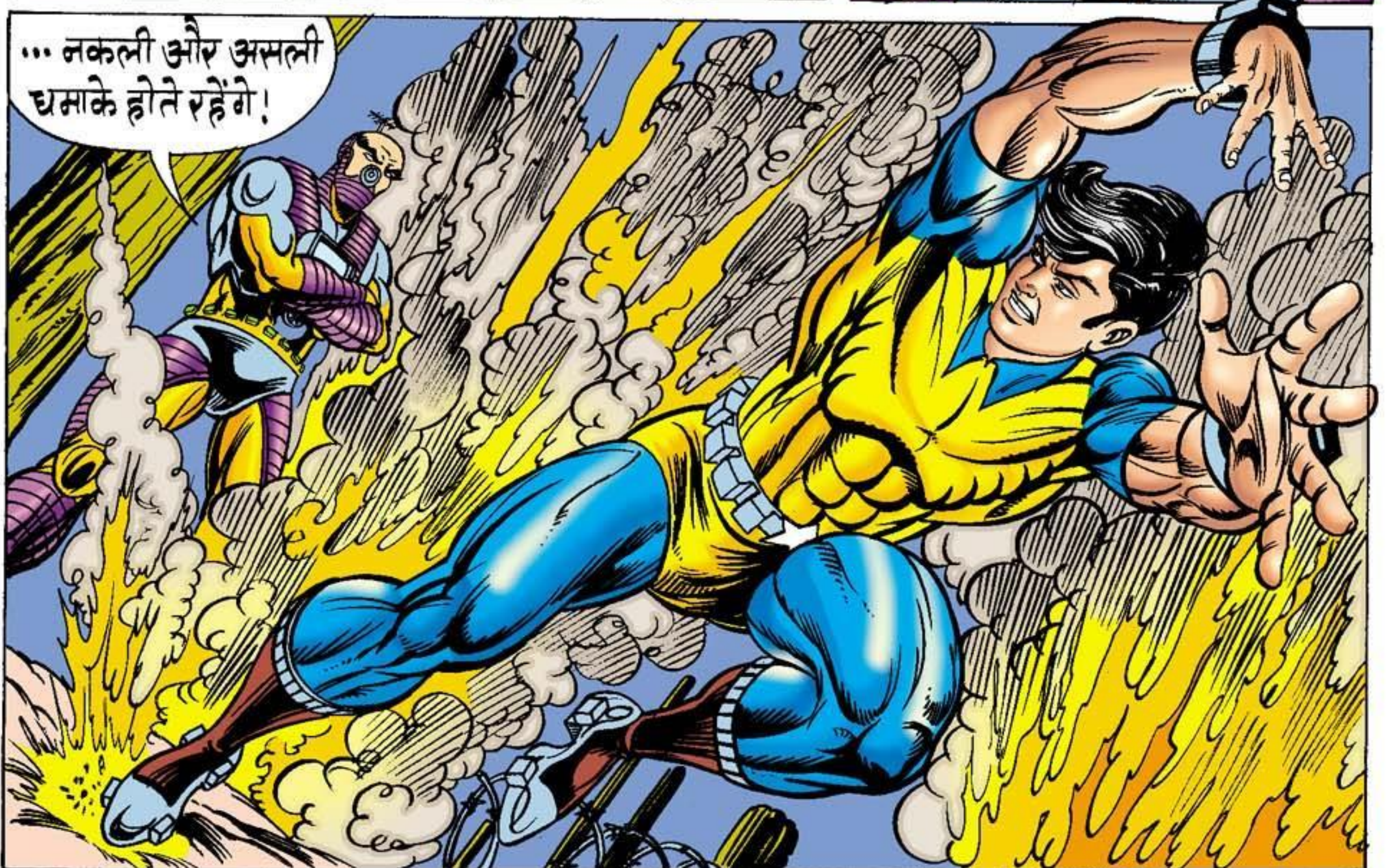
ये क्या मुसीबत आ गई? प्रक्षेपित दृश्य को खत्म किए बगैर मैं असली और नकली धमाकों में फर्क पता नहीं कर सकता! और प्रक्षेपित दृश्य को खत्म करने के लिए मैं तरंगी तक पहुंच नहीं पा रहा हूं!
और ये धमाके होते ही जा रहे हैं! जल्दी ही कोई न कोई धमाका मुझको अपना शिकार बना लेगा! सोचो ध्रुव, सोचो! कोई तो रास्ता होगा!
ठक्क
आऽऽऽह! यह मैं किस चीज से टकराया? यहां पर तो कुछ नजर नहीं आ रहा है! ओह, समझा! यह दृश्य असली लैब के ऊपर प्रक्षेपित किया गया है। मैं जरूर असली लैब के किसी मशीनी हिस्से से टकराया हूं!
मशीन! स्कैनिंग मशीन! यह मुझे बचा सकती है! मुझे मशीन को ऑन करना होगा! मशीन के स्विच तक पहुंचना होगा। मैंने मशीन को देखा हुआ है! मैं अंधों की तरह मशीन के हर उभार को छूकर पता कर सकता हूं कि मैं मशीन के किस तरफ हूं! और फिर स्विच तक पहुंच सकता हूं! लेकिन धमाकों से बचते हुए!
ये मशीन का दाहिना भाग है!
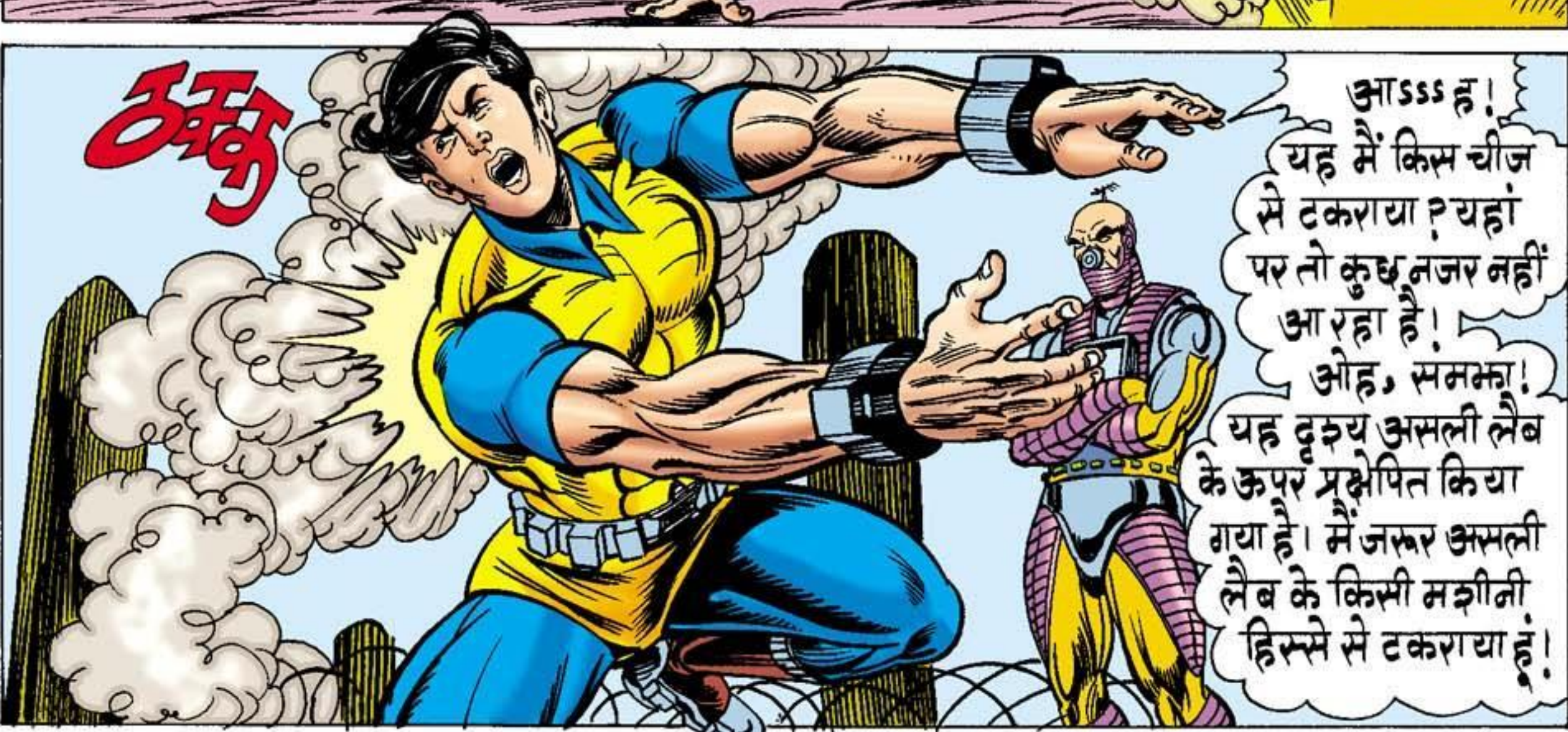
मशीन को 'ऑन' करने वाला स्विच इस तरफ है!
आऽऽऽ ह!
तू शायद बमों को ढूंढ रहा है ध्रुव!
लेकिन वे तुझे दिखाई नहीं देंगे! क्योंकि वे लैब की 'जमीन पर फैले हुए हैं! और उनको इस प्रक्षेपित दृश्य की जमीन ने ढका हुआ है!
अब तू मरेगा ध्रुव! पक्का मरेगा!
तभी-
ध्रुव की उंगली ने हवा में ही किसी चीज को दबाया-
कट्‌ट्‌ट
और-
अरे! ये कैसे हो गया? प्रक्षेपित दृश्य गायब कैसे हो गया? इस दृश्य में ही कोई गड़बड़ हो गई होगी! अभी दूसरा दृश्य प्रक्षेपित करता हूं!
कर, कर! कोशिश कर, तरंगी!
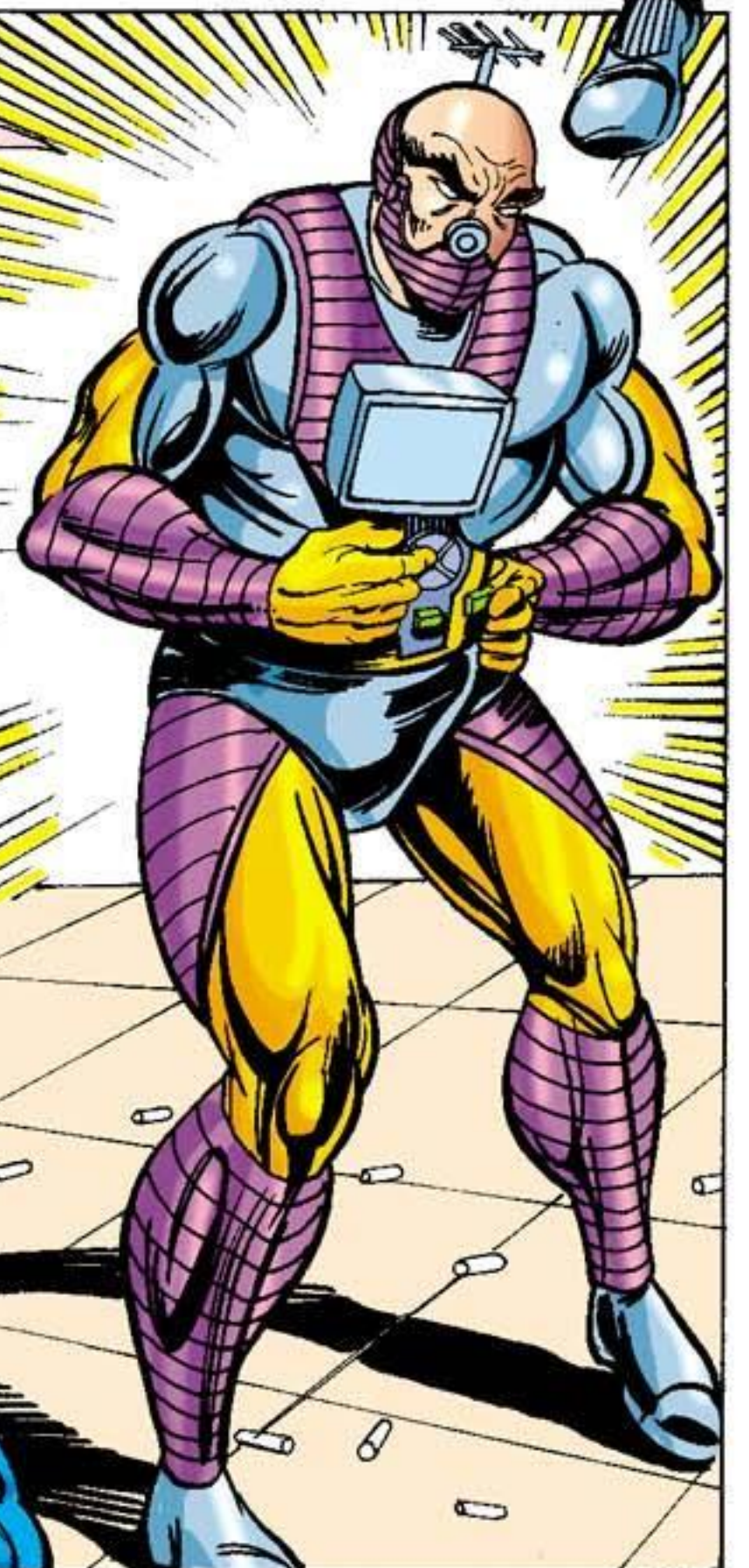
ये क्या चक्कर है! मेरे सारे सिस्टम सही काम कर रहे हैं! लेकिन फिर भी मैं दृश्यों को प्रोजेक्ट नहीं कर पा रहा हूं! क्यों?
क्योंकि इस मशीन से आवेशित कण निकलते हैं! और वे तेरी चुंबकीय तरंगों से बने दृश्यों में व्यवधान पैदा कर रहे हैं! और इसी कारण से तेरे द्वारा प्रक्षेपित किए जाने वाले दृश्य कटे-फटे से नजर आ रहे हैं!
अब जब तक तू इस कमरे में है, तू किसी भी चुंबकीय शक्ति का इस्तेमाल ठीक से नहीं कर सकता!
और जब तू जेल में जाएगा, तो तेरे शरीर पर ये चुंबकीय यंत्र रहेंगे ही नहीं!
तड़ाक
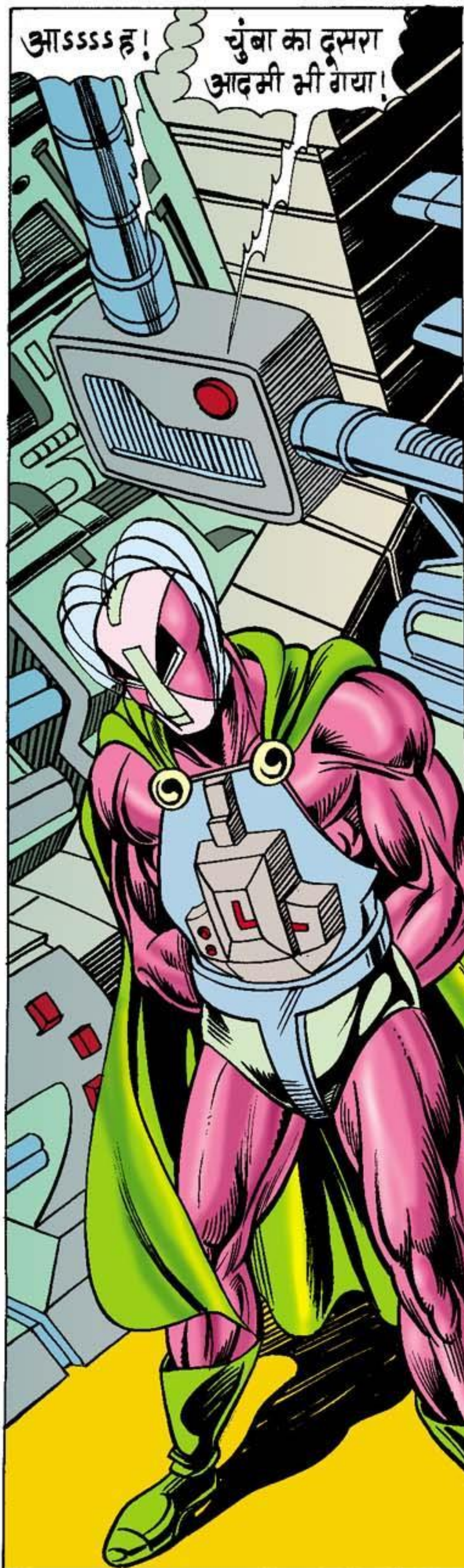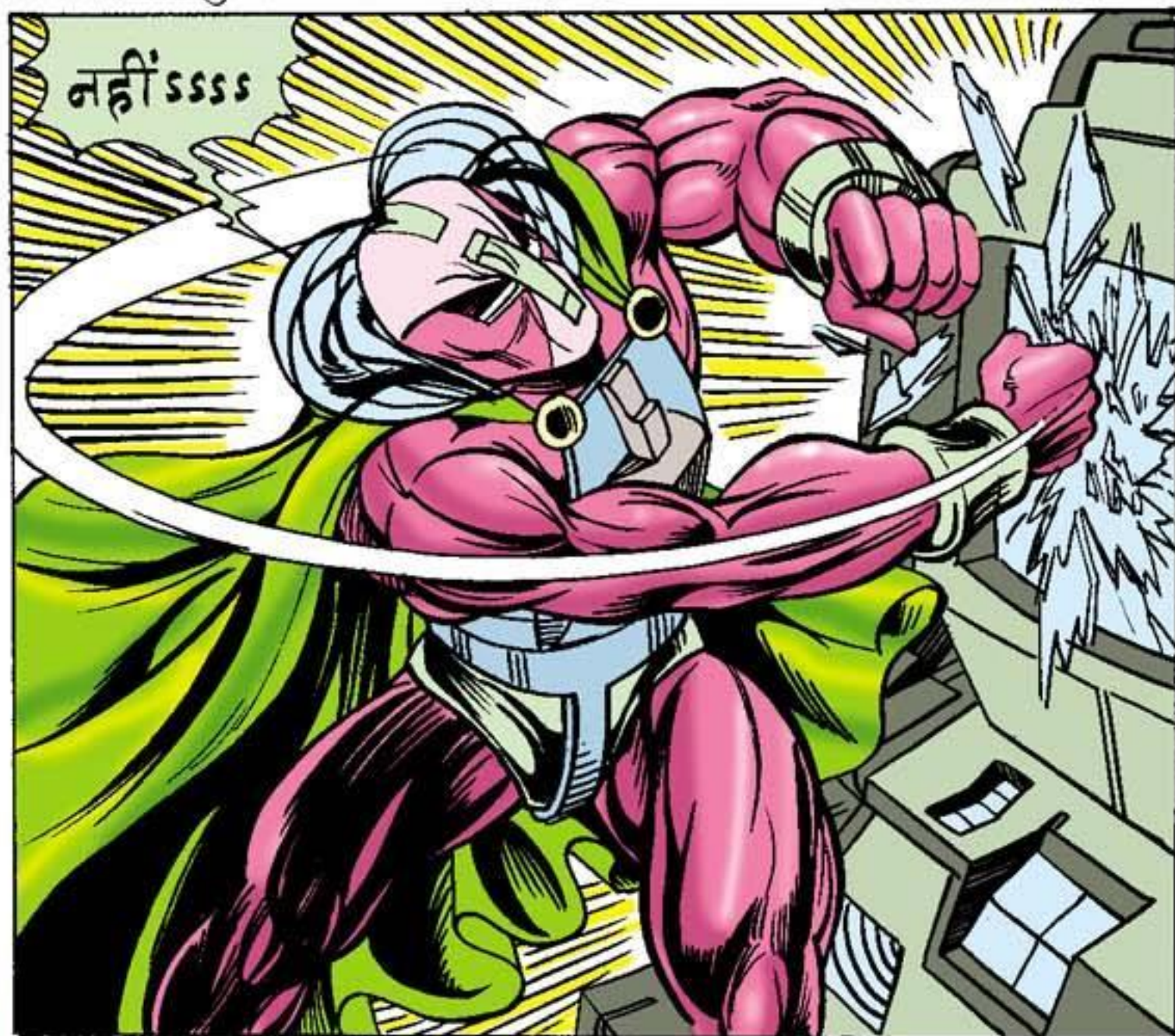
आऽऽऽऽह!
चुंबा का दूसरा आदमी भी गया!
नहींऽऽऽऽ
ये ध्रुव फिर से मेरा वही हाल कर देगा! मुझे डरा रहा है ये ध्रुव! उसने मेरे दो आदमियों को पकड़ लिया है! अब वह मुझे भी पकड़ लेगा! फिर से जेल में डाल देगा!
तुम भयभीत हो रहे हो! इस भय को दूर करने का एक ही उपाय है। भय के कारण को नष्ट कर दो!
मार दो ध्रुव को!
कैसे?
समय का इंतजार करो!
और तैयारी के साथ जाओ!

कुछ समय के बाद-
नानाजी अभी होश में तो नहीं आए, लेकिन हमने उनकी सिक्योरिटी बढ़ा दी है। अब चुंबा उन तक नहीं पहुंच सकता है ध्रुव!
चुंबा को आपकी सिक्योरिटी रोक नहीं सकती है, पापा!...
... हमको चुंबा को दूसरा हमला करने से पहले ही पकड़ना होगा! उसके अड्डे तक पहुंचकर!
लेकिन कैसे ध्रुव? हमको चुंबा के ठिकाने का पता नहीं है!
इस बार चुंबा ने अपने जिस आदमी तरंगी को भेजा था, उसको तो तुमने ऐसा मारा है कि वह अभी तक बेहोश है!
मेरे पास एक आइडिया है पापा!
शायद वह काम कर ही जाए!
और फिर-
बस! मेरा मिश्रण अब तैयार होने ही वाला है!
खबरों में आगे है, राजनगर के मशहूर क्राइम फाइटर सुपर कमांडो ध्रुव से एक सजीव मुलाकात!
ध्रुव, तुमने एक खतरनाक अपराधी तरंगी को आज नानावटी अस्पताल में गिरफ्तार किया है! तुम्हारे ख्याल से उसे किसने भेजा होगा?
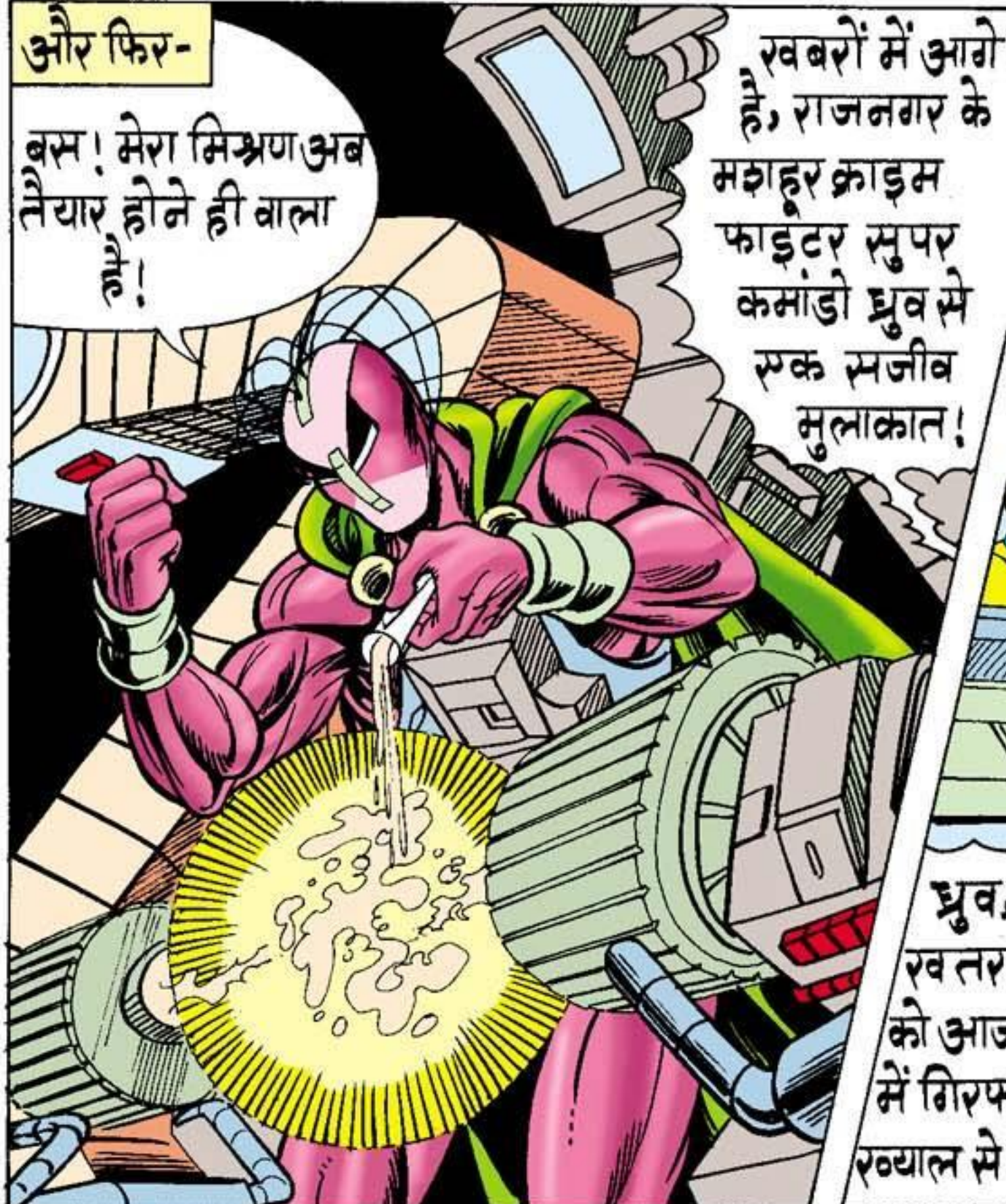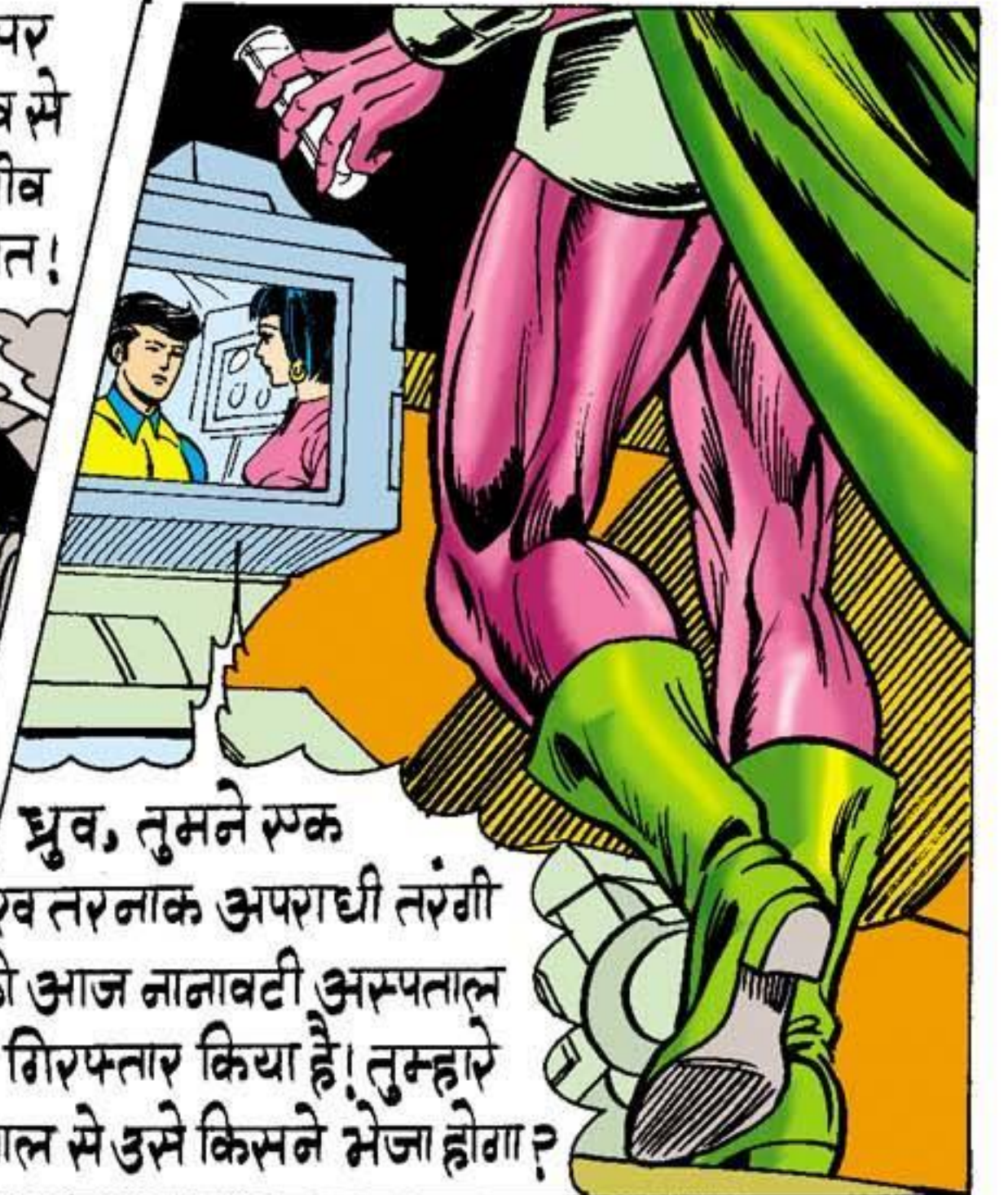
उसका आदमी तरंगी जल्दी ही अपना मुंह खोल देगा और हम चुंबा तक पहुंचकर उसको पकड़ लेंगे! अब या चुंबा डरकर अपना अड्डा फिर से बदल लेगा या फिर अपने आदमियों को छुड़ाने की कोशिश करेगा!

अगर चुंबा यह टेलीकास्ट देख रहा हो तो मैं उसको सलाह दूंगा कि वह डरपोक अपना अड्डा बदल ले। वर्ना अगर वह पुलिस लॉकअप में बंद अपने आदमियों के आसपास भी नजर आया...

... तो मैं उसको एक ऐसे अंधे कुएं में डालकर छोड़ दूंगा जहां से शायद उसकी जान भी बाहर नहीं निकल पाएगी!

मैं आऊंगा ध्रुव! मैं आऊंगा! अपने आदमियों को ले जाऊंगा, और तुझको तेरी जिन्दगी से आजाद कर दूंगा!

इस संबंध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें: **चुंबा का चक्रव्यूह, मैंने मारा ध्रुव को** और **हत्यारा कौन**

क्या ये करना जरूरी है ?
हां ! क्योंकि एक तो तरंगी इस अड्डे का पता जानता है, और मैं बार-बार अड्डा बदलना नहीं चाहता ! और दूसरे बगैर ध्रुव को मारे मैं अपने डर को मार नहीं सकता ! मुझे तरंगी को छुड़ाने जाना ही होगा !
मेरा भी यही विचार है ! लेकिन पहले तैयारी करो फिर जाओ !
आप बताएं कि मुझको क्या तैयारी करनी चाहिए !
और दूसरी तरफ -
प्रोग्राम टेलीकास्ट करने के लिए धन्यवाद मीना !
मैंने चुंबा के अभिमान को छेड़ दिया है !
मुझे पूरी उम्मीद है कि अब वह तरंगी को छुड़ाने के लिए लॉकअप पर हमला जरूर करेगा !
मुझे तैयारी करनी होगी !
राजनगर की नानावटी पुलिस चौकी में -
तैयारियां पूरी हो चुकी हैं ?
हां, ध्रुव ! पुलिस वालों को स्पेशल बुलेट्स दी गई हैं, जिनमें लोहे का कोई पुर्जा नहीं है । चुंबा की चुंबकीय शक्तियां इस बार उसको बचा नहीं पाएंगी ! वह अगर इसको लेने आया तो वापस नहीं जा पाएगा !
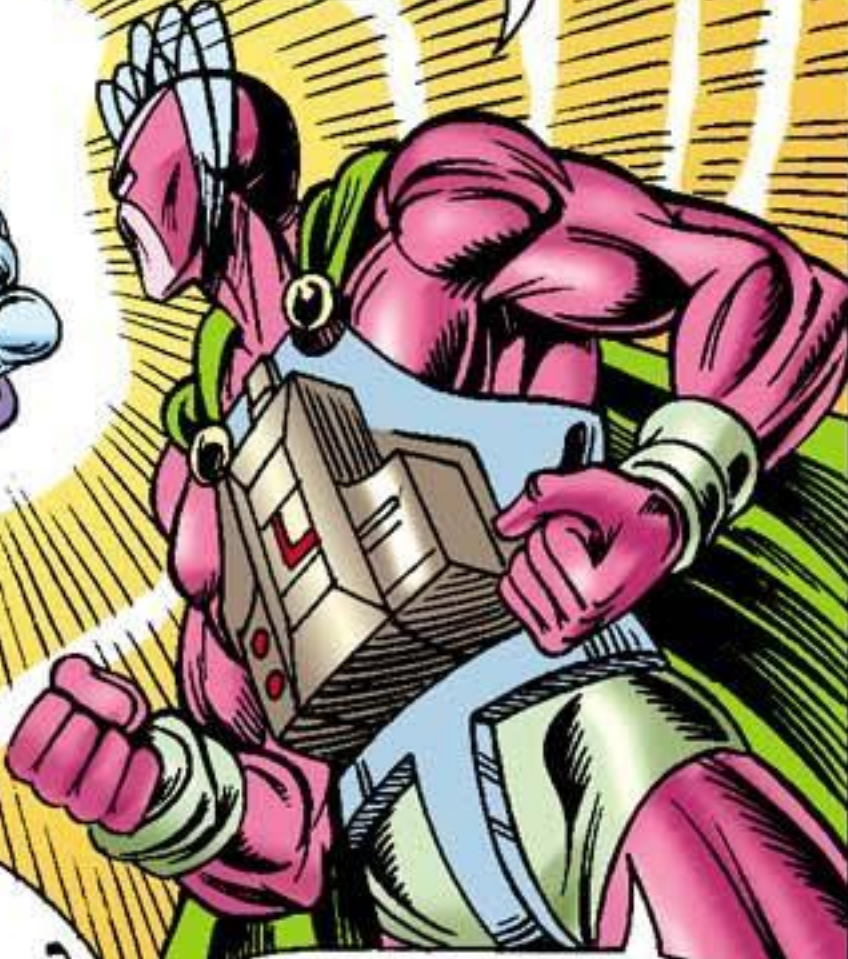
'अगर' का सवाल ही नहीं था-
चुंबा को तो आना ही था-
नानावटी पुलिस चौकी
ये अचानक धुआं कहां से आने लगा? कुछ गड़बड़ है!
पोजीशन ले लो, जवानों!

ये तो चुंबा ही है!
फायर!

हमारी गोलियां इसके पार हो जा रही हैं, सर!

क्योंकि वह मेरी छाया है, मूर्खो!
चुंबा तो तुम्हारे पीछे है!

वह छाया तो सिर्फ तुम चूहों का ध्यान बंटाने के लिए थी!
ताकि मैं आसानी से तुम लोगों को रास्ते से हटा सकूं!
मेरे हैंड डायनमों से निकलने वाली विद्युत तरंगें तुम सबको एक साथ बेहोश कर देंगी!

तभी-

पूरी दीवार दोनों के ऊपर आ ढही-

हा हा हा!
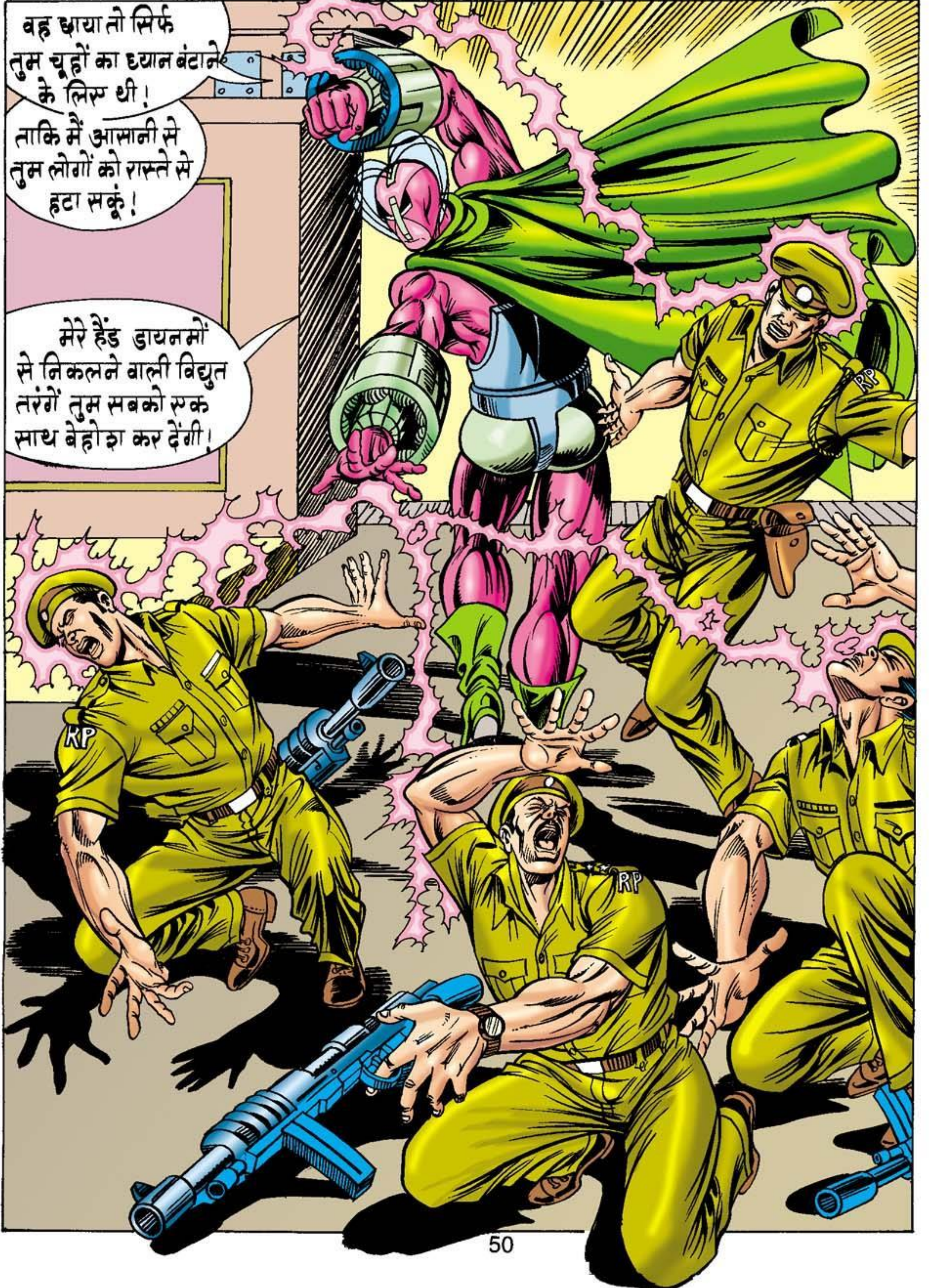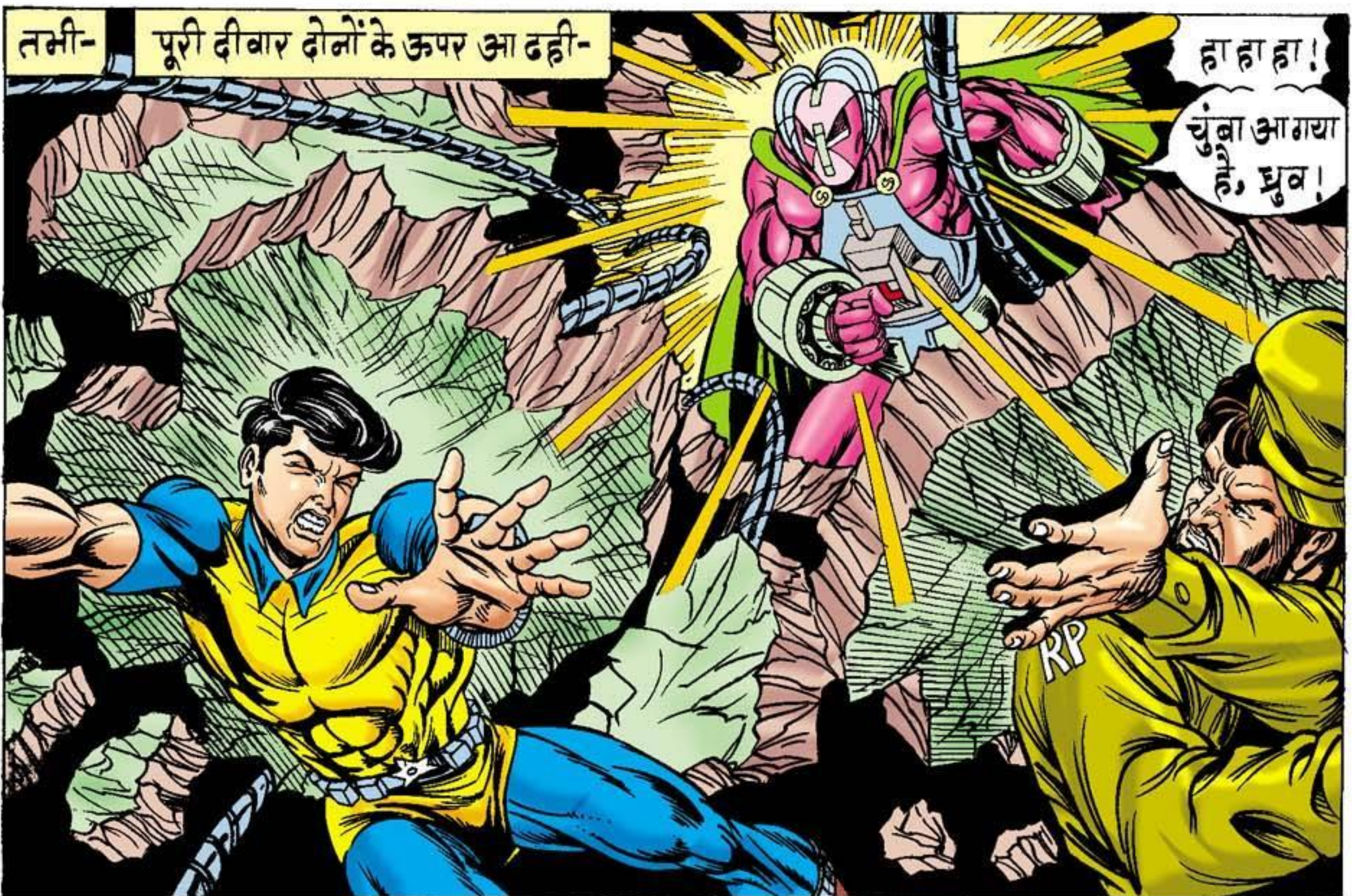
चुंबा आ गया है, ध्रुव!

तू आ गया है तो वापस नहीं जाएगा चुंबा! तू इसी लॉकअप में अपने साथी के साथ बंद होगा!
इस बार चुंबा खुद बंद होने नहीं, बल्कि तेरी सांस बंद करने आया है!
सांसो की बाद में देखेंगे!
पहले तो तेरी विद्युत तरंगों को बंद कर दूं!
आऽऽऽह! शॉर्ट सर्किट हो गया!
कलिक
एक शक्ति नष्ट होने से कुछ नहीं होगा ध्रुव!
चुंबा कई शक्तियों के साथ आया है!
तरंगी, बाहर आ जा!

इस संबंध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें: **चुंबा का चक्रव्यूह**
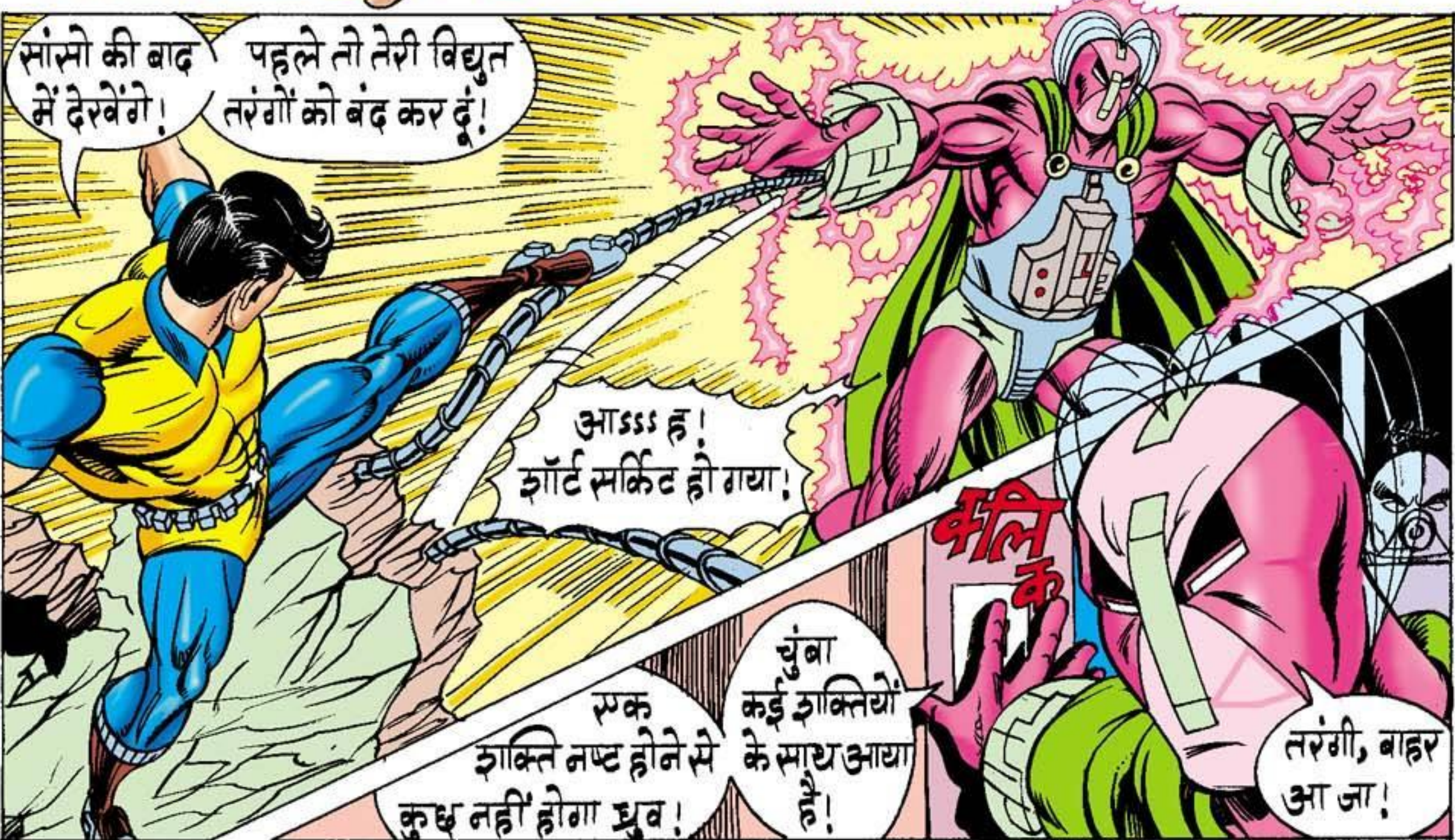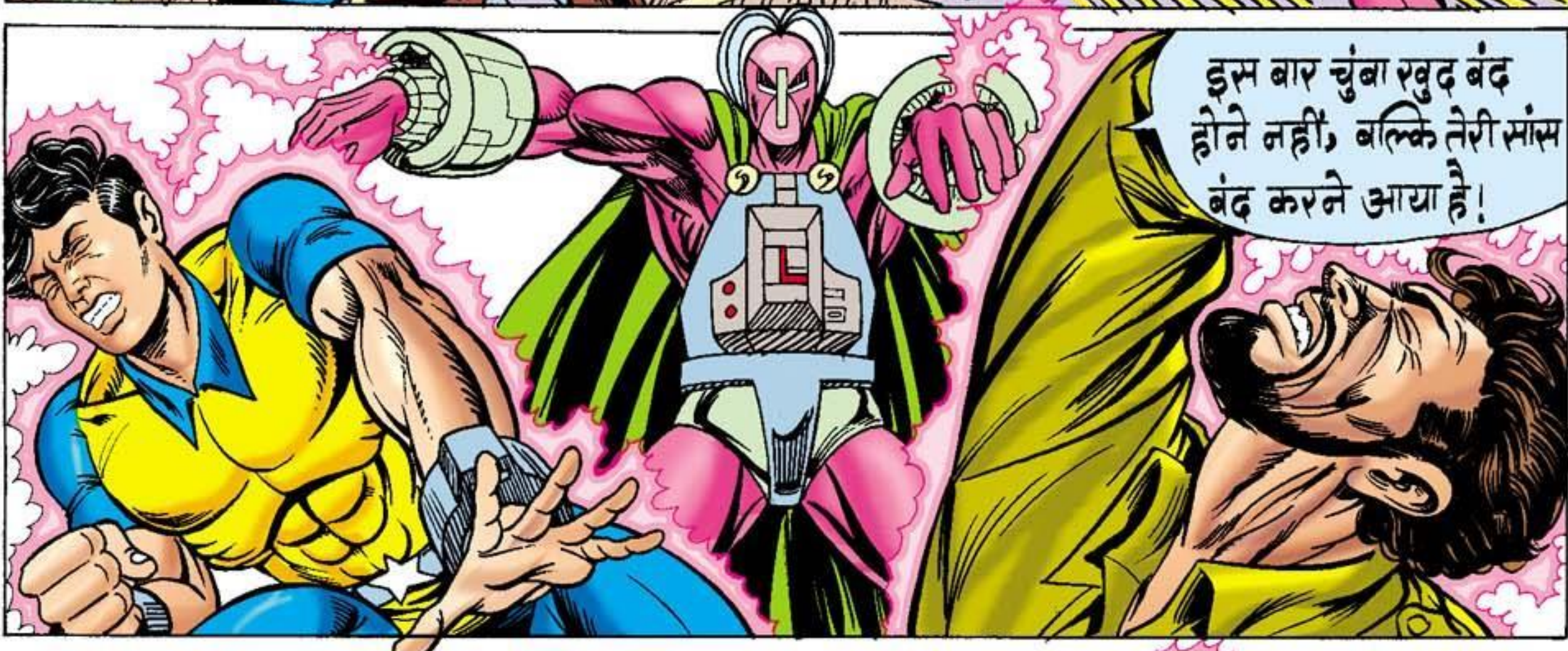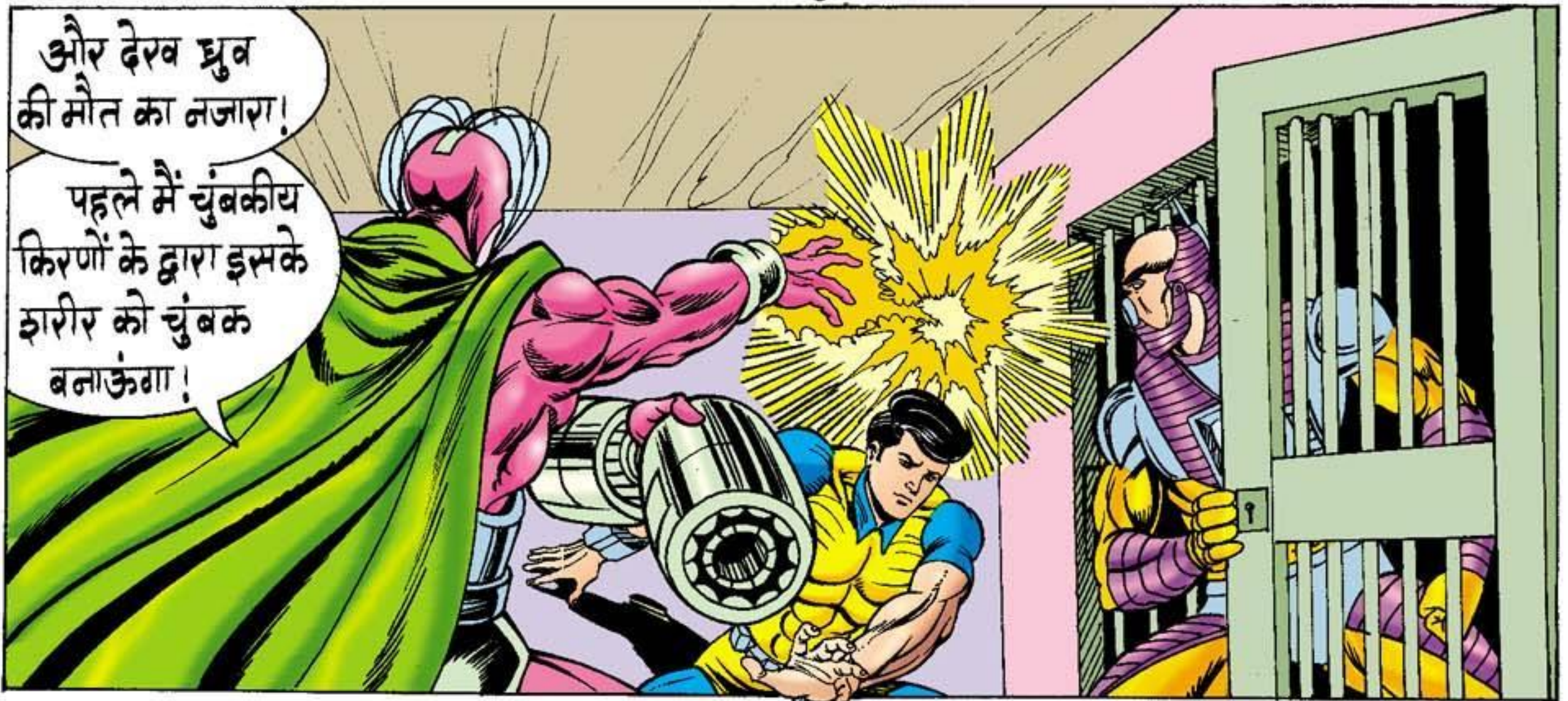
... ऐसा वार जिससे तू बच ही न सके ध्रुव!
ये पारदर्शी गोले छोड़ रहा है! क्या हैं ये गोले?
ये मैग्नेटिक बम हैं ध्रुव! जब ये फटते हैं!...
...तो वैसी ही चुंबकीय किरणें छोड़ते हैं जैसी मैं छोड़ रहा था!
तू एक चलता-फिरता चुंबक बन गया है ध्रुव! अब तेरे बदन पर लोहे का ये बुरादा आराम से चिपकेगा!
ओह! मेरा शरीर इस बुरादे में कैद होता जा रहा है। और इस बढ़ते वजन के कारण मैं हाथ-पैर तक हिला नहीं पा रहा हूं!

इस कैद से तू आजाद नहीं हो सकता ध्रुव! लेकिन मैं तुझे जिन्दगी की कैद से आजाद जरूर कर सकता हूं!
एक मिनट! एक मिनट रुकिए बॉस!
मेरी नाकामी पर चाहे मेरी जान ले लीजिए...
...लेकिन इसकी जान मुझे लेने दीजिए!

मुझे अपने अपमान का बदला जरूर लेने दीजिए। मैं आपके हाथ जोड़ता हूं! आपके पैर पड़ता हूं! अपने सेवक की बात को मत टालिए!
अगर ये आपके हाथों मारा गया तो मेरा अपमान जिन्दगी भर मुझे चैन से जीने नहीं देगा!
ठीक है तरंगी! तुझे तेरी नाकामी की सजा तो हम जरूर देंगे!
लेकिन तेरी बात नहीं टालेंगे! जा, ले ले अपना बदला! मार डाल इसे!

लेकिन पिंजरे में कैद होने से शेर गीदड़ नहीं बन जाता-
मुझे मारना बच्चों का खेल नहीं है, तरंगी...
...मेरे ऊपर चाहे इससे दुगुना बोझ लद जाए, लेकिन फिर भी तू मुझे हाथ नहीं लगा सकता!
अरे!

अब तू हिल भी नहीं सकता है!
तुझे तो मैं किसी भी कीमत पर भागने नहीं दूंगा!
आऽऽऽह!

देखा तरंगी? ये ध्रुव है! इस बार इसने अपने आपको ही हथियार बना लिया है! तू अकेला इसे कभी मार नहीं सकता! मुझे तेरी मदद करनी होगी!
मैं इन छड़ों में चुंबकीय तरंगें दौड़ा दूंगा!...

...और ध्रुव का शरीर हवा में उड़कर इनसे जा चिपकेगा! अब खेल न कर! मार डाल इसको!

'कड़ाक' की एक हल्की सी आवाज के साथ-
कड़ाक
टूट गई इसकी गर्दन की हड्डी!
ध्रुव की गर्दन, एक तरफ लुढ़क गई-

आऽऽऽह! तूने ध्रुव को मारा, और कलेजा मेरा ठंडा हो गया! ध्रुव की लाश देखने की बरसों की तमन्ना आज पूरी हो गई!
अब आ!
यस!
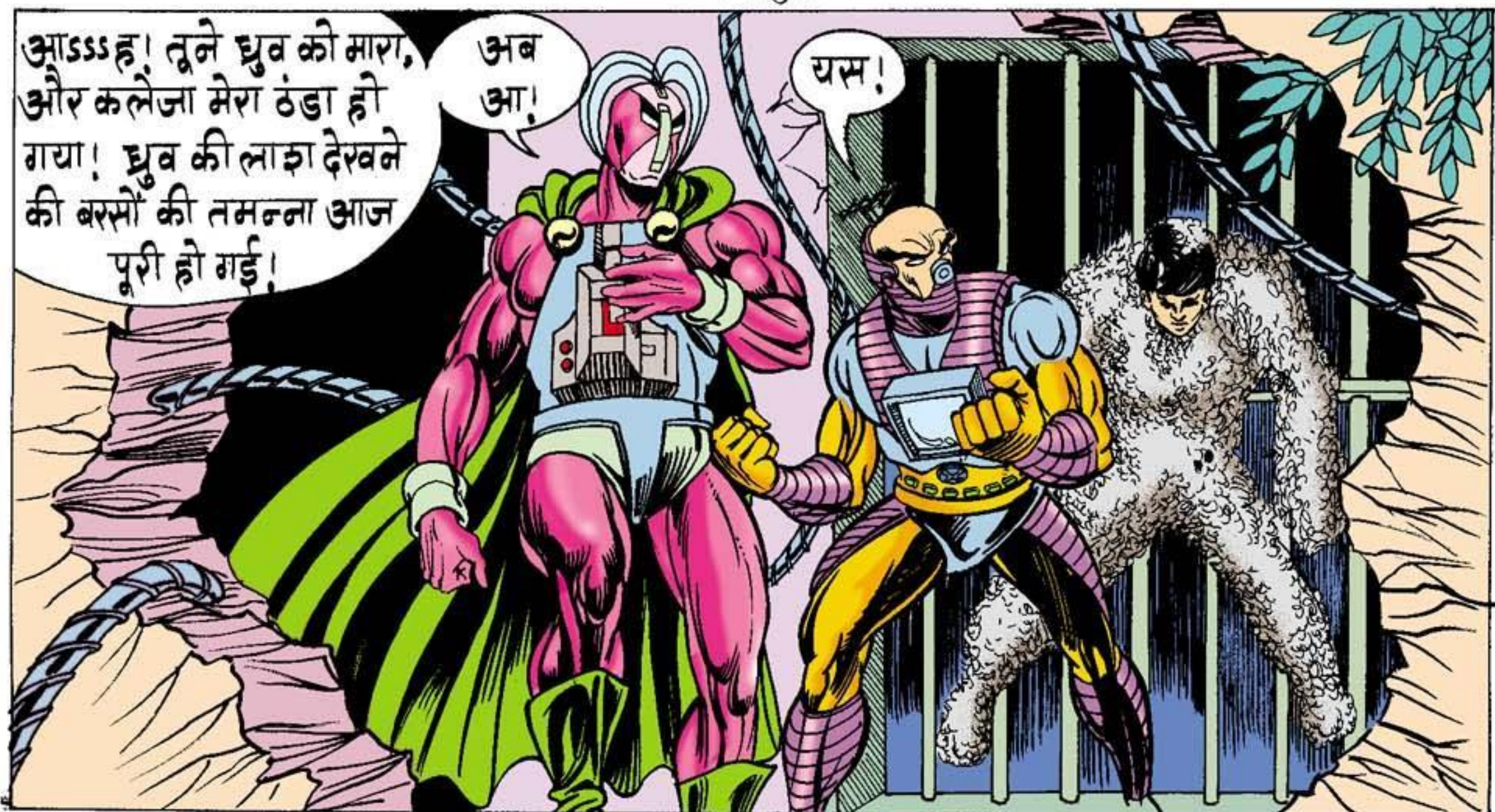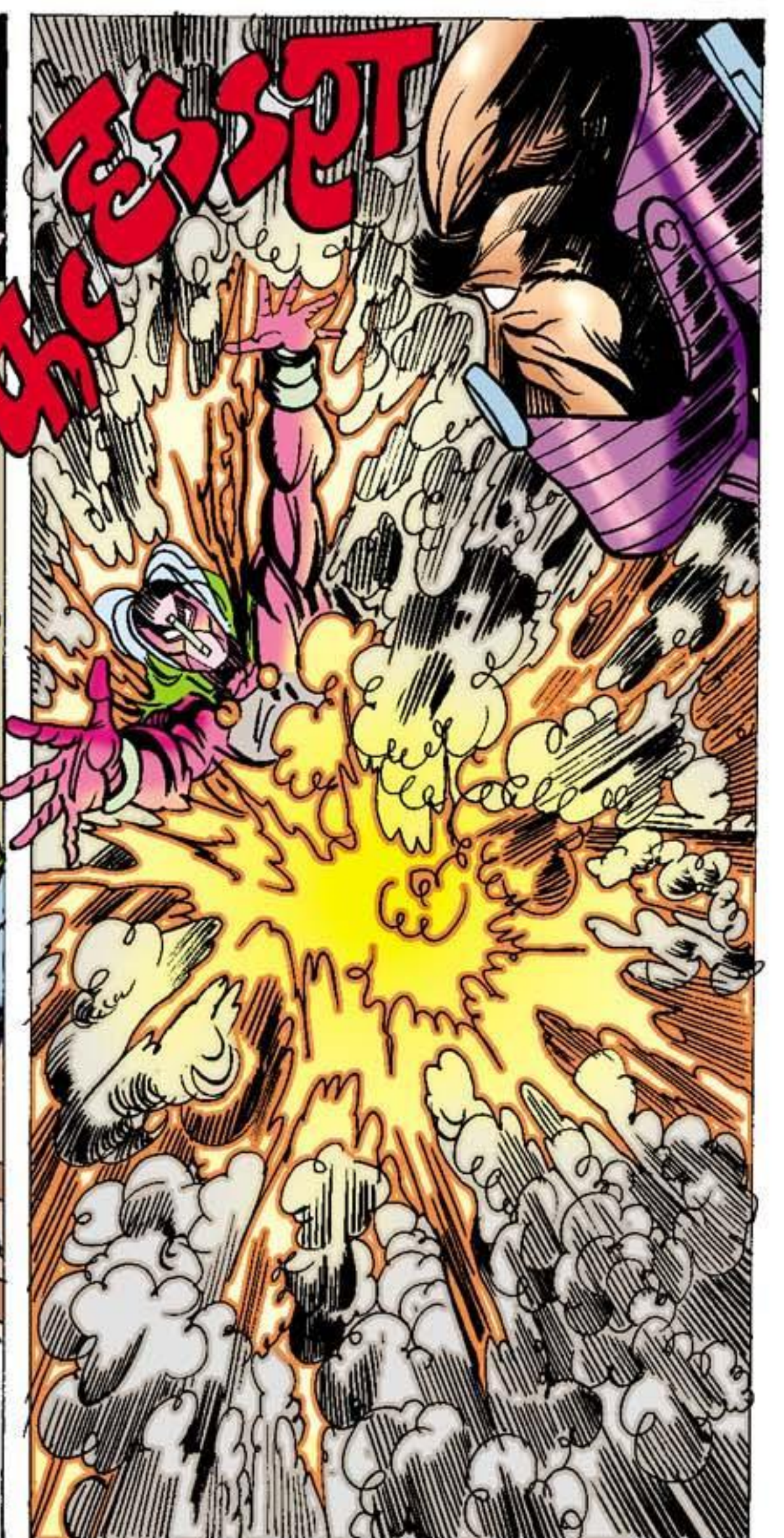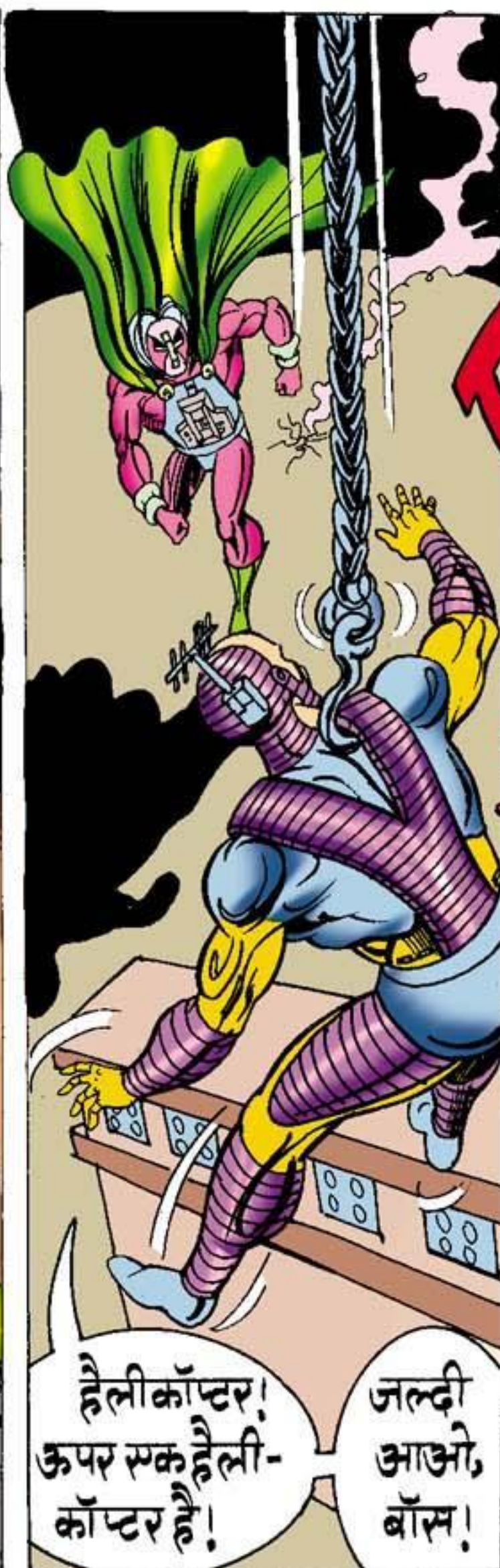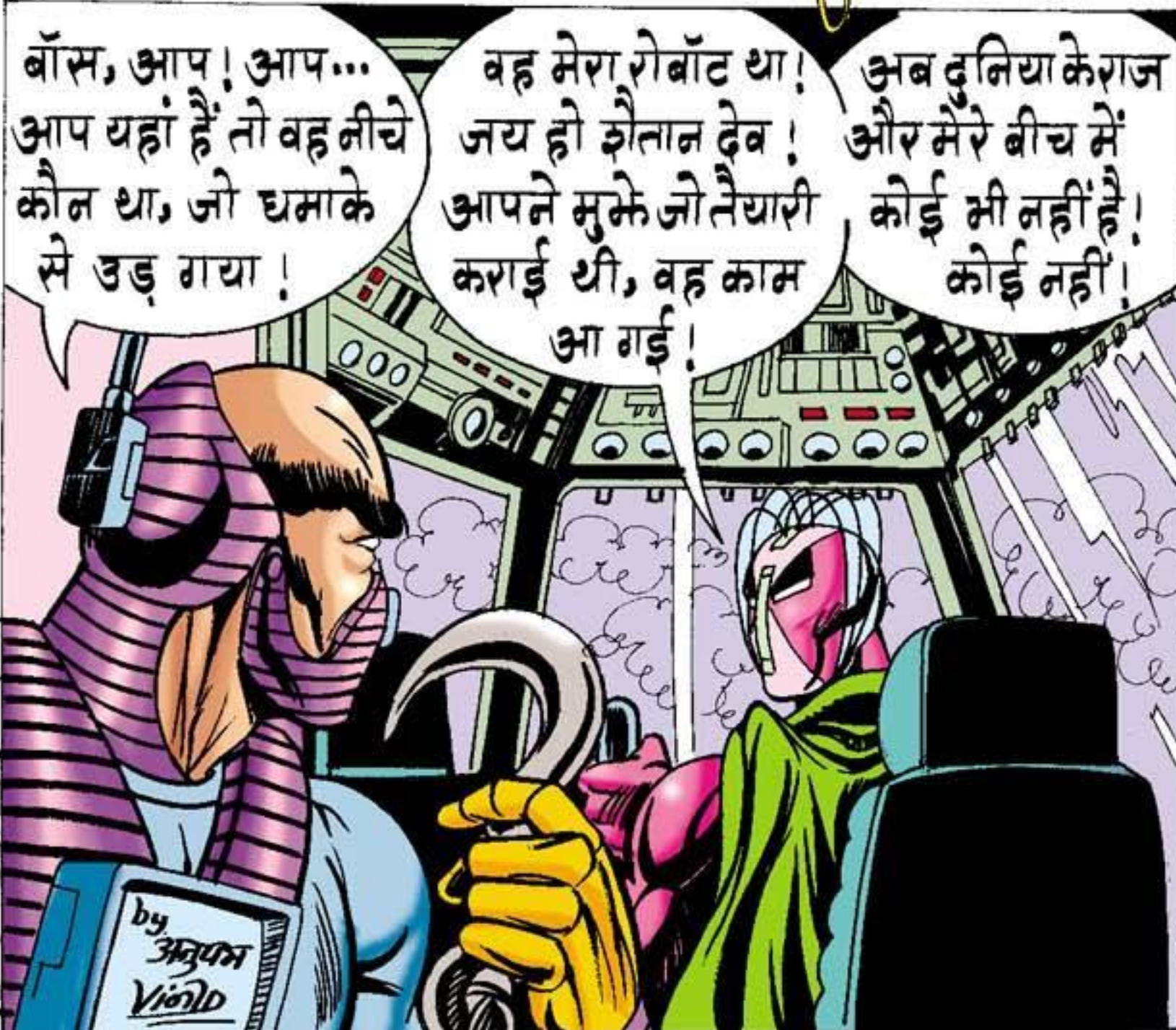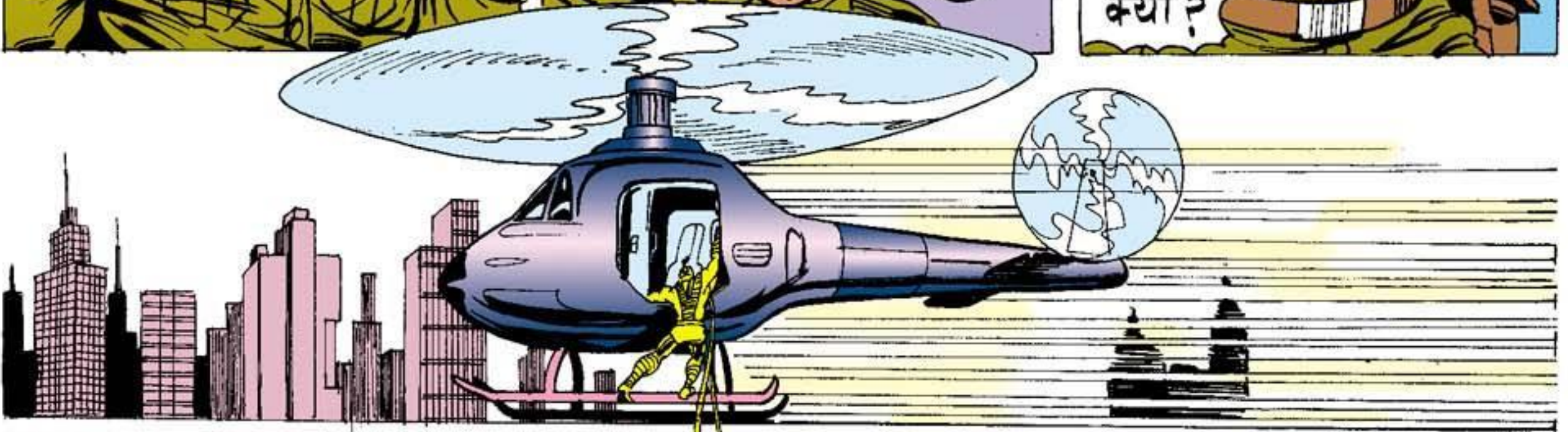
...जहां पर तू खड़ा है, उसके ठीक नीचे पेट्रोल का टैंक बनाया गया है!...

... तुझे रोकने का यह आखिरी तरीका हमने पहले से ही तैयार कर रखा था!

हैलीकॉप्टर! ऊपर एक हैली-कॉप्टर है!

जल्दी आओ, बॉस!

खत्म हो गया शैतान! लेकिन तरंगी बच निकला!

ये... ये क्या?

शैतान का दिमाग काम कर गया और ध्रुव खत्म हो गया। अब भला कौन रोक सकता है चुंबा को बनने से...

चुंबा सम्राट

कोई न कोई तो रोकेगा जरूर, पर कौन? धड़कन और इंतजार को काबू में रखिए। रहस्य शीघ्र खुल रहा है।